विवाह और तलाक

आइए अब हम अपने सिरों को एक क्षण के लिए प्रार्थना में झुकाए। सबसे अधिक अनुग्रहकारी पिता, इस प्रात: हम आपको इस सौभाग्य के लिए कि हम यहां सभागार में हो पाए धन्यवाद देते हैं, इस निकलते हुए दिन में। परंतु हम नहीं जानते कि दिन में क्या छुपा है, परंतु हम जानते हैं कि दिन किसके हाथ में है। इसलिए हम प्रार्थना करते हैं, जो आज और कल को थामे हुए हैं, और सारी अनन्तता आज हमें आशीषित करेगा, जैसे कि हम उसके नाम में एकत्र हुए हैं कि हम जान सके कि उसकी सेवा करने के लिए, हम कैसे जीये। पिता, यह हमारी सारी मंशा है। परमेश्वर जो हमारे ह्रदय को जानता है यह जानता है कि यह सत्य है। हम अपने आप को समर्पित करते हैं उस—उस भविष्य के बचे हुए दिन में आपकी सेवा के लिए, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

बैठ जाइये।

2 [भाई ब्रन्हम मंच पर किसी से बातें करते हुए।—सम्पा।] धन्यवाद। यहां पर दूसरा वाला है।

3 समस्त राष्ट्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भक्त मंडली को शुभ प्रात:, जहां हम इस प्रात: जुड़े हुए हैं। इसने मुझे यहां आने के लिए महान सौभाग्य दिया है और इस प्रात: इस जानदार विषय पर बोलूं। प्रत्यक्ष भक्त मंडली को वास्तव में थोड़ा चकरा देने वाला है ठीक मेरे सामने पर्दे है, तो मुझे दाहिने और बाये बोलना है। और दिखने वाली भक्त मंडली मेरे दाहिनी और सभागार है और बायीं ओर व्यायामशाला भी है; और मैं फर्श पर हूं, खुले हुए पर्दों के बीच में दाहिना और बायां हाथ बना रहे है। और सभागार ठसा ठस भरा हुआ है, और व्यायाम शाला भी और आराधनालय भी, आराधनालय जो आठ पर है, और पेन स्ट्रीट। और इन भरे हुए स्थानों में टेलीफोन व्यवस्था दूसरे स्थानों में ले जा रही है।

4 हमारे पास प्रभु में बहुतायात से समय है, और इस प्रात: की सेवा में हमारे पास महान आशा है। और अब आज रात्रि इस 4 दिन के अभियान के समाप्त होने पर, क्यों हमने निश्चय ही सबको आमंत्रित किया है, जो यहां हो सकता है। हम विश्वास कर रहे हैं कि प्रभु हमें आज रात्रि एक महान

चरम देगा, कुछ बहुत ही अधिक असाधारणता को करते हुए, यहां तक कि वह सारे बिमारो को चंगा करेगा और महान चीजों को करेगा, जो अक्सर वह करता है। और सांझ के लिए हमें एक महान आशा में है। जनसाधारण मित्र भाव में आमंत्रित है, हर कोई हर कलीसिया हर नामधारी की। आपको अवश्य नहीं कि मसीही होना है; निश्चय ही हम पापियों को बुला रहे हैं कि आये और हमारे बीच में बैठे। और हम अपना सबसे अच्छा करते हैं कि उन्हें सिखाये कि प्रभु का मार्ग क्या है कि हम जीवित रहे।

5 अब मैं आशा करता हूं कि भक्त मंडली आशंकित नहीं होगी। और परमेश्वर पर विश्वास करते हुए मैं अधीर नहीं होऊंगा, क्योंकि मेरी आश्चर्यजनक राते बीती है, बहुत ही थकान। क्योंकि मैं अनुभव करता हूं जो बातें इस प्रात: करूंगा मेरे विरोध में न्याय के दिन तक रहेगी, और मैं—मैं सो नहीं सका। और मैं जानता हूं यदि मैं इन्हें ना कहूं, तो यह मेरे विरोध में न्याय के दिन में होगा। इसलिए यह इसे कठिन बनाता है, आप इसकी व्याख्या नहीं कर सकते।

6 और अब इस प्रात: एक महान विषय विचार करने के लिए *विवाह और तलाक*। और यही कारण कि मैंने इसे सन्डे स्कूल बनाया, ताकि हम इस पर हम बातें कर सके और अपना समय ले बजाये कि एक उपदेश प्रचार करूं। यह वचन में से एक शिक्षा है।

7 और मैं—मैं यह कहना चाहता हूं, यदि कोई सेवक या सेवकगण, किसी स्थान में, यह टेप उनके हाथों में आये, यदि हम इसका टेप निकालेंगे मैं नहीं जानता कि कलीसिया इसके विषय में क्या करती है। मैं भाई फ्रेड से निवेदन कर रहा हूं कि इस टेप को निकालने से पहले कलीसिया के बोर्ड से बात करें। और आप लोग जो बाहर राष्ट्र में हैं, जिन्होंने टेप रिकॉर्डर लगा रखे हैं कृपा करके आप टेप को बाहर ना दे जब तक आप भाई सोथमेन से सुन ना ले, इसके विषय में।

8 अब, यदि यह प्रकाशित हो जाये और कोई मेरा सेवक भाई, या कोई भी मसीही कहीं भी जो इन बातों से सहमत ना हो, जो मैं इस विषय पर कह रहा हूं, मैं—मैं विश्वास करता हूं कि आप इसकी आलोचना नहीं करेंगे। यदि आप ऐसे इसे वैसे ना समझ सके, जैसे मैं इसे सिखा रहा हूं, आपके पास एक सेवक के समान एक चरवाहे के समान अधिकार है। और जो भी आप विश्वास करते हैं, हम उसका सम्मान करते हैं।

9 और इस पर दो बड़े विद्यालय हैं। और यदि वहां जो प्रश्न है तो उनमें से एक सही है या दोनों सही नहीं है। इसलिए इस प्रात: हम परमेश्वर के वचन में देखने का यत्न करने जा रहे हैं कि इसे तय करें। मेरे लिए, यदि यह बाईबल का प्रश्न है, तो निश्चय ही इसका उत्तर बाईबल में है।

10 और अब इसके थोड़ा सा पहले हमारे पास आरंभ करने के लिए यह विषय है, बल्कि, इसके पहले मैं वचन पर प्रार्थना करूं, और मैं आप में से प्रत्येक पर प्रगट करना चाहता हूं कि मैं... विशेषकर आप मसीहो मेरी यह इच्छा है... मैं चाहता हूं कि इस प्रात: आप मेरे लिए प्रार्थना करें। और बाहर वह ना दिखाने वाली भक्त मंडली जो इस प्रात: सुन रहे हैं, मेरे लिए प्रार्थना करें, क्योंकि, मैं ईमानदार और सच्चा बना रहना चाहता हूं।

11 अब हम यह महसूस करते हैं, इन वक्तव्य के देने पर कोई भी, यदि यह केवल एक व्यक्ति है, इस बीच में हो कि वह जीवन और मरण के बीच में है। यहां बहुत से होंगे जो विश्वास करते हुए जायेंगे। संभवत: आपमें से बहुत से नहीं करेंगे। परन्तु मैं जानता हूं मेरी सेवकाई में लोग है, जो मेरी सुनने के लिए आते हैं, और सुनते हैं कि मेरे पास कहने को क्या है; अच्छा है, वे यहां इस प्रात: देश विदेश से बैठे हैं, बहुत से संयुक्त राज्य से, कनाडा और समुद्र पार से। और आप कल्पना कर सकते हैं, जो थकान आप पर आती है कि जाने कि मनुष्य का अनंत लक्ष्य क्या है आपके हाथों में है, क्योंकि जो आप कहते हैं एक दिन आप को पकड़ने जा रहा है। इसलिए परमेश्वर मुझे इसके लिए उत्तरदाई ठहरायेगा, और मैं चाहता हूं, जितनी निष्ठा से हो सकता है मैं इसे लेना चाहता हूं।

12 अब मैं—मैं अपनी बहनों से पूछना चाहता हूं। अब मैं अपने कुछ शब्दों को बदलना चाहता हूं ताकि मैं उनके सामने बोल सकूं। इस प्रात: बिली की जेब में कुछ चीजें थी, जिन्हें में मिली–जुली सभा के सामने नहीं कहा जा सका। और संभवत: मैं कुछ उसमें से कहूंगा, आपको समझना चाहिये, इसे अपने भाई के समान ले, सबसे अच्छा जो मैं जानता हूं, आप एक डॉक्टर के ऑफिस में बैठेंगे और उसकी सुनते हैं वह आपसे सीधे शब्दों में कहेंगा। और आप में से कुछ युवा स्त्रियां और युवा पुरुष, मैं नहीं चाहता कि आप गलत प्रभाव को ले, मैं चाहता हूं कि आप विश्वास करें और शांत रहे। स्मरण रखें, सत्य को सत्य कहना है।

13 और, अब, कोई संदेह नहीं परंतु आप में से बहुत से होंगे जो बोला जायेगा उससे असहमत होंगे, परंतु मैं इसे आपको बाईबल से प्रमाणित करना चाहता हूं। और तब मैं विश्वास करता हूं, यदि आप श्रद्धा से इसे सुनेंगे तो आप अच्छी प्रकार से समझेंगे और वह धारणा जिस पर में जोर देना चाहता हूं, इस सारे समय। मैं विश्वास करता हूं कि यह इसकी व्याख्या करेगा और मेरा विश्वास है कि यह करेगा।

14 अब हो सकता है हम थोड़ा लंबा ले एक और आधा घंटा, और हो सकता है, इस पर अधिक। मैं नहीं जानता कि यह कितना समय लेगा।

15 और अब फिर, इस समय में मैं यह कहना चाहता हूं, कि यह जानते हुए कि लोग आपके वचनो को थामते हैं, वे करते हैं, अपने सेवक के। और नि:सन्देह, मैं एक सेवक रहा हूं।

16 और वे एक सेवक को वचनों को थामते हैं, जैसे कि यह एक मृत्यु और जीवन के बीच में हो। वे अपने सेवक के वचनों को पकड़ते हैं जैसे यह मृत्यु और जीवन के बीच हो। और नि:सन्देह, सेवक या पास्टर संभवत: उस सब के साथ जो वह जानता है कि कैसे करें वह अपने लोगों को सिखा रहा है ठीक वैसे ही जैसा उसने धर्म विद्यालय में सीखा; कोई संदेह नहीं, परंतु जो याजक भी विभिन्न धर्मों में याजक है। सेवक वास्तव में याजक है यह एक बिचौ लिया है। इसलिए, यदि याजक जो उसके धर्म विद्यालय में उसने सीखा और मठ में, एक मनुष्य अपने पूर्ण निष्ठा से बता रहा है जो उसे सिखाया गया।

17 ठीक है, तो फिर, मेरे पास किसी धर्म विद्यालय या मढ का अनुभव नहीं, और इसके विरोध में कुछ नहीं, परंतु मेरा जीवन विचित्र रहा है।

18 जब मैं छोटा लड़का था मैं बुलाया गया। और इसमें दिखने और सुनने वाला चिन्ह मुझे दिया गया, एक—एक अग्नि स्तंभ झाड़ी पर था, सात वर्ष की आयु में, ठीक यहां युटीका पाईक में। मेरे पिता श्री. ओ. एच. वदेन के लिए कार्य करते थे, जिनका हाल ही में देहांत हुआ है। और आपने पुस्तक पढ़ी है आप कहानी जानते हैं। और उस समय से... वहां नदी पर तब वह लोगों के सामने दृष्टिगोचर हुआ। और अब, इसका बहुत बार चित्र लिया गया है और यह वाशिंगटन डी सी में टंगा है, एक कॉपीराइट के समान, रिलीजस हॉल ऑफ़ आर्ट में, केवल एक अलौकिक जीवन जो कभी वैज्ञानिक रीती पर सिद्ध, एक चित्र लिया गया; वही अग्नि स्तंभ, ठीक उसी रूप में हर

प्रकार से जो इस्राएल को मिस्त्र से निकाल कर लाया। मैं विश्वास करता हूं कि यह यीशु मसीह आत्मिक रूप में परमेश्वर का पुत्र।

19 क्योंकि वह “मनुष्य का पुत्र” कहलाया जब वह पहले आया, अब वह “परमेश्वर का पुत्र” है, सहस्त्रशताब्दी में वह “दाऊद का पुत्र कहलायेगा।” वह मनुष्य का पुत्र आता है, एक भविष्यव्यक्ता जैसा कि उसके लिए बोला गया; अब वह परमेश्वर का पुत्र है अलौकिक में; उस महान सहस्त्रशताब्दी में, जो आने वाला है, वह दाऊद का पुत्र होगा दाऊद के सिहासन बैठ रहा है। जैसा कि अब बाईबल पढ़ने वाले जानते हैं कि यह परमेश्वर की दिव्य प्रतिज्ञा दाऊद के साथ है, वह अपने पुत्र को उठायेगा कि उसकी सिंहासन पर बैठाये है।

20 और अब विचित्र, असाधारण सेवकाई में मुझे, “परमेश्वर” से लेकर “शैतान” तक कहा गया। और यह सदा से ऐसे ही हुआ है।

21 यही जो कैथोलिक कलीसिया के आर्कबिशप ने मुझ से कहा वहां उस रात्रि अब जब बातचीत हो रही थी, उसने कहा, “भाई ब्रन्हम, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला स्वयं को वचन में स्पष्ट प्रमाणित करता है, जैसा कि यशायाह भविष्यव्यक्ता द्वारा बोला गया।” उसने कहा, “आपकी सेवा कलीसिया में स्पष्ट रूप से प्रमाणित है।” उसने कहा, “लूथरन बाईबल में है।” उसने कहा, “लूथरन लूथर को पहचानते हैं। वैसली, वैसली को जानते हैं। परंतु पेंटीकोस्ट के विषय में क्या है? ” कहा, “वे भटक रहे हैं। वे नहीं जानते कि कहां जाये।”

और मैंने कहा, “श्रीमान, मैं इसकी सराहना करता हूं।”

22 और यह वह समय था पवित्र आत्मा महिला पर उतरा, मुझे कभी नहीं देखा था, उसकी पत्नी ने... और बोली और उन्हीं बातों को प्रमाणित किया।

23 अब, ईमानदारी से इसके पहले कि इस संदेश को मैं प्रात: प्रचारता, मैं नहीं जानता, मैंने उसे बताया, मैंने कहा, “श्रीमान, मैं यह नहीं कह सकता। यह कहना एक बहुत बड़ी बात होगी। यह ऐसा ही प्रतीत होता है।”

24 एक बात जो मैं जानता हूं कि वहां कुछ घटित हुआ है यह निश्चत है। ये सारी बातें, यह वैज्ञानिक रीती से प्रमाणित हो गई है और समस्त संसार में प्रमाणित हो चुका है यह कोई कल्पना नहीं हो सकती। यह सत्य है। यह क्या है? मैं स्वीकार्ता में होते हुए कहू, इसके पहले मैं आपसे इस प्रात: बात करूं, मैं नहीं जानता। और मैं किसी भी कार्यवाही का साहस ना करूंगा,

जब तक मैं उससे ना सुन लू जिसने मुझ से पहले बातें की और मुझे यह बातें बतायी।

25 स्मरण रखें, हमारे प्रभु यीशु मसीह ने स्वयं को कभी भी परमेश्वर का पुत्र प्रमाणित नहीं किया। उसने कहा, "तुमने कहा कि मैं था इस ओर इधर मैं जन्मा," और आदि-आदि, परंतु उसने स्वयं को कभी प्रमाणित नहीं किया।

26 और, अब, वह अग्नि स्तंभ जिसने इस्राएल के बालकों की अगुवाई करी, वह प्रभु यीशु मसीह था आत्मा के रूप में (आप यह विश्वास करते हैं?) वह शब्द परमेश्वर से बाहर निकला। [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

27 और तब जब वह पृथ्वी पर था, उसने कहा, "मैं परमेश्वर से निकला हूं, और परमेश्वर के पास जाता हूं।" हम सब यह जानते हैं।

28 और उसकी मृत्यु... गाढे जाने और जी उठने के पश्चात: तारसुस का शाऊल दमिश्क की राह पर जा रहा था, कि मसीहो को सताये, क्योंकि वे जो उन्हें सिखाया गया ठीक उसके विपरीत सिखा रहे थे। और वह एक महान योद्धा था; गमलीएल के अधीन जो अपने समय का विशेष था उनके विद्यालय में उनके मठ में; और एक महान पुरुष और कलीसिया का एक बड़ा कार्यकर्ता और वहां एक महान ज्योति थी, फिर से वह अग्नी स्तंभ, उसने उसे नीचे गिरा दिया, बीच दोपहरी में। और आवाज ने कहा, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? "

29 और अब आप ध्यान दें, जब पौलूस शाऊल उठा, उसने कहा, "प्रभु, तू कौन है? " अब वह लड़का एक यहूदी होने के नाते वह किसी भी चीज को ऐसे ही नहीं कहेगा, जब तक परमेश्वर के उस चिन्ह को छोड़ उसे "प्रभु" नहीं पुकारेगा। इसलिए, वह वही अग्नि स्तंभ था।

30 जैसा कि यीशु ने कहा, "मैं परमेश्वर के पास जाता हूं। मैं परमेश्वर से निकला और वापस परमेश्वर के पास जाता हूं।"

31 वहां वह फिर से अग्नि स्तंभ के रूप में है; उसने कहा, "मैं यीशु हूं जिसे तू सताता है; और पैने पर लात मारना तेरे लिए कठिन है।"

32 और हम अनुभव करते हैं कि जब प्रेरित पतरस, जिसे कलीसिया बनाने के लिए कुंजी दी गई थी, हम पाते हैं जब वह जेल में था, और वही अग्नि स्तंभ जेल की सलाखों में से निकलता हुआ आया जेल के दरवाजे खोले

और भेदपूर्ण रीति से पतरस को बाहर ले गया, पहरेदारो को बिना छेड़े। मेरे लिए यह यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।

33 और फिर आप सदा उसके स्वभाव से उसे जान जायेंगे कोई भी चीज अपने स्वभाव से जानी जाती है, वह फल जो लगते हैं। और मैं आप से कहता हूं आप फलो को ध्यान से देखे कि कैसे है, यह ज्योति जो कि परमेश्वर है, क्योंकि यह सदा परमेश्वर के वचन पर लौटती है, और परमेश्वर के वचन को प्रमाणित करती है, परमेश्वर के वचन को प्रचार करती है, और परमेश्वर वचन को भौतिक रूप में प्रमाणित करता है आपके सामने। तो इसके पीछे कुछ होना चाहिये।

34 लोग मुझे भविष्यव्यक्ता कहते हैं। मैं स्वयं को भविष्यव्यक्ता नहीं कहता क्योंकि मैं इसे कहने का साहस नहीं करता, परंतु मुझे है... मैं यह कह सकता हूं कि प्रभु मुझे आने वाली चीजें दिखाता है और घटित होने वाली बातें बताता है, जो घटित हो रही है, और एक बार भी यह असफल नहीं हुआ दसियों हजारों बार। हर चीज जो उसने कहीं कि होगी वह हुई। हम सब यह जानते हैं। यदि कोई दिखने वाली मंडली में व्यक्ति है, इस प्रात: या कहीं भी बता सकता है कि कभी असफल हुआ हो और आपको खड़े होकर बताने की स्वतंत्रता है कि ऐसा कहे। परंतु यदि हर कोई जानता है कि हर बार, हजारों बार यह बिल्कुल ठीक है तो "आमीन" कहे। [सभा "आमीन!" कहती है—सम्पा।] देखा? इसी प्रकार से समस्त संसार में होगा।

35 अब कुछ घटित होने को है। परमेश्वर कभी भी बिना उद्देश्य के इन चीजों को नहीं भेजता।

36 मैं जरा यहां सोच रहा था। मैंने यहां अपनी एक टिप्पणी रखी थी कि इस प्रात: मैंने एक (स्टड) बटन लगाए हुए हैं... आप में से बहुतों ने चल चित्र के इस नायक के विषय में सुना होगा, जेन रसल, और उसकी मां पेंटीकोस्टल है; और डेनी हैन्री, उसकी सगी मौसी का, उसकी मां की बहन का बच्चा, वह बैपटिस्ट था। वह सभा में खड़ा था, लॉस एंजेल्स व्यापारियों की सभा केलिफोर्निया में, दो वर्ष पहले।

37 और मुझे एक जोरदार व्यक्तव्य देते हुए बढ़ना था, एक जोरदार व्यक्तव्य भव्य, यहां तक कि ओवर सीयर उनमें से एक जनरल ओवर सीयर बाल्कनी से उतर कर प्रचार मंच पर आया, और उसने कहा, "मैं विश्वास नहीं करता कि भाई ब्रन्हम का यह अर्थ होगा।"

38 मैंने कहा, “श्रीमान मेरा यही अर्थ है यह **यहोवा यों कहता है**, है।” और, फिर, यह उस समय की कलीसिया के विषय में था।

39 और समय के लगभग यह युवा व्यक्ति जो एक व्यापारी है... उसका भाई... वह वहां टेलीविजन के लिए चल चित्र उतार रहा था उस प्रातः, उसका दूसरा भाई राज्य मार्ग का केलिफोर्निया में सुपरवाईजर था। और सभा समाप्त होने के पश्चात डैनी हेनरी प्रचार मंच पर आगे आ गया, *इस* प्रकार से, जहां सारे पुरुष बैठे हुए थे, आकर मेरे गले में बांहें डाली। और उसने यह शब्द बोले, “भाई ब्रन्हम, मैं आशा करता हूं यह धर्म विरोधी नहीं परंतु कहा यह प्रकाशितवाक्य का 23 वां अध्याय बना सकता है।” जबकि वहां केवल 22 अध्याय है प्रकाशितवाक्य में। उसने कहा, “मैं आशा करता हूं यह धर्म विरोधी नहीं।” उसके पास इससे अधिक बोलने के लिए नहीं था... अब, लड़का एक बैपटिस्ट था और अलौकिक के विषय में कुछ नहीं जानता था। उसकी बांहें मेरे चारों ओर थी, और उसने अन्य भाषा में बोलना आरंभ कर दिया।

40 और जब वह अन्य भाषा में बोल चुका वहां एक भारी–भरकम अश्वेत महिला मेरे सामने बैठी थी, वह खड़ी हुई और बोली, “इसके अनुवाद की आवश्यकता नहीं है।” उसने कहा, “मैं शेवरेपोर्ट से हूं, लुईसियाना, या बैटोन रॉयजे, लुईसियाना से,” बोली, “यह तो स्पष्ट फ्रेंच है।”

41 विक्टर ली डॉक्स, जो कि एक फ्रेंचमैंन था, वह भी वहां बैठा था बोला, “निश्चय ही, मैं एक फ़्रांसीसी हूं, और यह शुद्ध फ्रेंच थी।”

42 मैंने कहा, “एक मिनट रुकिए। *आप* लिखिए, कि उसने क्या कहा और *आप* लिखिए कि उसने क्या कहा इसके पहले कि बात करें। लिखिए आप क्या कहते हैं, और देखे आप क्या लिखते हैं।” इसलिए एक ने लिखा, दूसरे ने लिखा, इनका विराम चिन्ह भी एक सा था।

43 और तब उस समय के लगभग जब वे अपने लेख लाए, एक अच्छा दिखाई पड़ने वाला युवा सुनहरे बालों वाला लड़का पीछे से आगे आया। जहां कि उसके बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं था, वह वहां पीछे खड़ा था वह चलता हुआ आगे आया, बोला, “एक मिनट मैं भी एक लेख रखना चाहता हूं।” उसने कहा, “मैं उनो में यू.एन. में फ्रेंच भाषा में अनुवादक हूं, यूनाईटेड नेशन्स।” उसने कहा, “मैं अपना लेख छोड़ना चाहता हूं।”

44 यहां फ्रेंच के तीनों नोट एक से ही थे और यह पढ़ने में इस प्रकार से थे। यह वास्तविक लेख लिया गया नोट लिया गया, यह दंन्ना का लेख है, स्वयं उसका उसने यह अपनी जेब में रखा। नि:सन्देह, यह क्रिस्चियन बिजनेसमैन में गया और आदि–आदि।

क्योंकि तूने सकरा मार्ग चुना है, कठिन मार्ग; तू अपने ही चुने हुए में चला।

तूने सही और मूल्यवान निर्णय लिया है और यह मेरा मार्ग है।

इस क्षणिक निर्णय के कारण, स्वर्ग का एक बड़ा भाग तेरी प्रतीक्षा करेगा।

तूने क्या ही महिमामय निर्णय लिया है!

यह स्वयं में वह है जो कि दंगा और जबरदस्त जय दिव्य प्रेम में देगा।

45 अब इस व्यक्ति ने अपने हस्ताक्षर यहां कर रखे हैं। "ऊपर दिए गए वक्तव्य का अनुवाद डेन्नी हेनरी की भविष्यवाणी, जो भाई ब्रन्हम पर की लॉस एंजेलिस कलिफोर्निया के कैफेटेरिया में तीन गवाहों के द्वारा दिया गया।"

46 अब यही पुरुष जिसमें यह भविष्यवाणी की, नहीं जानता था कि वह क्या कह रहा है, लगभग एक माह पहले येरुशलेम में था। उसे सौभाग्य मिला था कि बाहर जाकर और—और वहां कब्र में लेटा जहां यीशु मरा और गाढ़ा गया था। और जब कि वह वहां लेटा हुआ था, तो उसने कहा उसे मेरा विचार आया इतनी प्रभावशाली रीति से कि उसने रोना आरंभ कर दिया। बोला, "भाई ब्रन्हम के लिए यह कितना कठिन है कि संसार के विरोध में खड़े हो और सारी कलीसियाओ के!"

47 जैसा कि—कि एक बार कहा गया बिली ग्राहम के हिस्से में कहा, "हम बिली ग्राहम को देख सकते हैं, क्योंकि सारी कलीसियाये उसके लिए एक साथ मिल गई है। हम ओरल रॉबर्ट को देखते हैं, पेंटीकोस्टल। परंतु हमारे पास कैसे कभी कोई चीज हो सकती है, जबकि यह जो लोगों को सिखाया गया उसके विपरीत हो? " यह परमेश्वर है।

48 और, डैनी, वह शौक के लिए क्या करता है वह छोटे पत्थर बनाता है। वह वहां गया यह जहां क्रूस गाढ़ी गई थी, जहां उन्होंने कहा कि क्रूस पत्थर में खड़ी की गई। वहां आस पास कोई नहीं था, उसने एक छोटा

सा पत्थर तोड़ लिया और यादगार के लिए जेब में डाल लिया, और घर आकर मेरे लिए बटन का एक जोड़ा बनाया। और जब उसने बनाया, तो आश्चर्यजनक बात कि उसमें लहू जैसे दाग दिखाई पड़े। और दोनों में बीचो–बीच निरंतरता में एक पतली सी धारी दोनों के बीचो–बीच। अब यह पर हो सकता है... किसी ने इस पर ध्यान ना दिया हो, परंतु मेरे विश्वास के लिए यह सम्मान सूचक है। मैं विश्वास करता हूं, हर चीज का कोई अर्थ है।

49 और अब, इस समय में, जो कुछ भी प्रभु का है... यदि यह बात नहीं है कि उसने भविष्यवाणी की है, मलाकी चार की ओर लुका 17 की भी और बहुत सारे और पवित्र वचन, जिन्हें इन अंत के दिनों में घटित होना है, मैं यह बंद करते हुए कह सकता हूं मनुष्य के लिए यह नीव डाल दी गई है, जब वह आयेगा। इसलिए मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर का बहुत ही धन्यवादित हूं, यदि यह इस प्रकार से है तो मुझे थोड़ा सा कुछ करने दो, अपनी इस अनपढ़ वाली स्थिति में कि उसका प्रेम जो मेरी ओर है, उसकी सराहना को दर्शाऊ और मेरा प्रेम उससे और हमारा प्रेम लोगों से।

50 इसलिए सचाई में, मैं इस *विवाह और तलाक* के विषय को लेता हूं। होने पाए परमेश्वर हम सब पर अनुग्रह करें।

51 और अब ध्यान से सुने। और बहने उठे ना, और ना बाहर जाये थोड़ी देर के लिए शांत रहे। भाई, लोग भी वैसा करें। बाहर अपने रेडियो बंद ना करें जिस जगह से यह आ रहा है यह ना करें, कुछ मिनटों के लिए शांत बैठे रहे जब तक यह पूरा ना हो जाये। ध्यान से सुने। यदि आप असहमत हैं तो वचनों को लिख ले जिनका मैं प्रयोग करता हूं, और फिर प्रार्थना के साथ उनका अध्ययन करें, इसके पहले आप अपना निर्णय ले, जैसा कि हम इस विषय को लेने का यत्न करते हैं।

परमेश्वर, हमारी सहायता करें।

52 अब, यह हो सकता है कि यह थोड़ा लंबा हो जाये, मैं नहीं चाहता कि आप जल्दी में रहे। और हम सब अपना समय ले और परमेश्वर के वचन का अध्ययन करें, सचाई और विस्तार में, जैसा कि हम जानते हैं कि कैसे अध्ययन करना है।

53 आइए संत मत्ती के 19 वें अध्याय से आरंभ करें और आरंभ में मैं सोचता हूं 19 वें अध्याय का 8 वां पद, मैं आरंभ करना चाहता हूं। मैं पहले से भी आरंभ कर सकता हूं, और 8 वें पद तक पढ़ू 19 वे अध्याय के।

54 अब, स्मरण रखे ये बातें जो मैं कहता हूं परमेश्वर के वचन से आनी चाहिये। यह मेरा अपना विचार नहीं हो सकता, क्योंकि मेरा विचार वैसे ही है जैसे किसी और का। परंतु इसे परमेश्वर के वचन की निरंतरता में होना चाहिये। स्मरण रखें, परमेश्वर हर चीज को निरंतरता में रखता है वह कभी बदलता नहीं वह कल आज और सर्वदा एक सा है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] वह एक सा है।

55 अब मैं 19 वें अध्याय में से पढ़ूंगा।

जब यीशु यह बातें कह चुका, तो गलीन से चला गया और यरदन के पार यहूदिया के प्रदेश में आया

तब बड़ी भीड़ उसके पीछे होली और उसने उन्हें वहां चंगा किया...

तब फरीसी उसकी परीक्षा करने के लिए पास आकर कहने लगे...

56 मैं वहां रुका ताकि आप इस पर जोर दे सके कि वह कौन था जो उसकी परीक्षा कर रहा था।

... क्या हर एक कारण से अपने पत्नी को त्यागना उचित है?

उसने उत्तर दिया, क्या तुमने नहीं पढ़ा कि जिसने उन्हें बनाया उसने आरंभ से नर और नारी बना कर कहा।

इस कारण मनुष्य अपने माता... पिता से अलग हो कर अपने पत्नी के साथ रहेगा, और वे दोनों एक तन होंगे?

अत: अब वे दो नहीं परंतु एक तन है इसलिए जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है उसे मनुष्य अलग ना करें।

उन्होंने उससे कहा फिर मूसा में यह क्यों ठहराया कि त्याग पत्र दे कर... उसे छोड़ दें?

उसने उन से कहा, मूसा ने तुम्हारे मन की कठोरता के कारण तुम्हें अपनी अपनी पत्नी को छोड़ देने की आज्ञा दी; परंतु आरंभ से ऐसा नहीं था।

अब, परमेश्वर हमारी सहायता करें।

57 यह पवित्र वचन, यह प्रश्न यीशु के सेवकाई के आरंभ में ही सामने आया। और मूसा की सेवकाई के आरंभ में यह मूसा के सामने आया।

विश्वासियों के ह्रदय में यह मुख्य प्रश्न है। क्योंकि पापी चिंता नहीं करता। विश्वासी परमेश्वर के सामने जितना सही हो सकता है उतना सही जीवित रहने का यत्न करता है जितना वह जानता है। इसलिए यह, कोई भी धार्मिक प्रश्न आता है, तो *विवाह और तलाक* का मामला भी आता है। क्यों? क्योंकि मूल पाप का यही कारण रहा यही जहां से पाप आरंभ हुआ। और यही कारण है कि यह हर बार सामने लाया गया, क्योंकि यही पाप का आरंभ है।

58 अब मेरे पास समय नहीं है कि इन सब बातों कि व्याख्या करूं परंतु मुझे प्रसन्नता होगी कि आपके पत्र का उत्तर दू, या, कुछ भी जो मैं कर सकता हूं या हमारे पास इस पर पुस्तके लिखी हुई है और बहुत सारे प्रश्न या अखबार निकाल कर कांटे हुए भाग भी, और इसे सिद्ध करने के लिए चीजें यहां पर है हम जानते हैं यह हवा थी (सेब जो उसे खाना था, जबकी यह वचन आधारित भी नहीं है, अब वे दावा करते हैं कि यह खुबानी थी इसमें यह एक भी नहीं है), उसने व्यभिचार किया जिससे पहला बालक जन्मा जो कि केन था शैतान का अपना पुत्र, इसलिए उसमें दुष्ट आत्मा थी, यह हाबिल के द्वारा नहीं आया। शैतान का पुत्र केन था।

59 अब मैं आपका प्रश्न जानता हूं, "हवा ने कहा, 'मुझे प्रभु से एक मनुष्य प्राप्त हुआ।'" यह बिल्कुल ठीक बात है।

60 आप नगर की एक सुंदर स्त्री को ले सकते हैं, दुष्ट मनुष्य; यदि उनके पास बालक था यह प्रभु की ओर से ही आयेगा, क्योंकि परमेश्वर ने एक विधान तय किया है। और विधान, जैसे सूर्य उगता है; आप अच्छे खेत में कांटे का पेड़ लगाये यह बढ़ेगा। इसे तो बढना ही है, क्योंकि यह परमेश्वर का विधान है। जब बीज बोया गया, तो इसे बढना ही है। परमेश्वर को छोड़ कोई भी जीवन को नहीं बढ़ा सकता क्योंकि यह उसके नियमों के अधीन होता है। इसलिए जब कोई दुष्ट बीज हवा के—के गर्भ में बोया गया, तो इसे ऊपर आना ही है, क्योंकि यह परमेश्वर का उत्पत्ति नियम है। और यह और कुछ नहीं कर सकता सिवाये, इसको परमेश्वर की ओर से आना है।

61 यही कारण है कि लोग कहते हैं, "छोटे बालक," कभी–कभी, "जब वे मसीह अभिभावकों को द्वारा नहीं जन्मते, वे नष्ट है।"

62 यीशु का लहू बालक के लिए क्षतिपूर्ति है मैं चिंता नहीं करता वह कैसा जन्मा वह कितनी बुराई में जन्मा। वह परमेश्वर का मेम्ना है, जो संसार के पापों को उठा ले जाता है। छोटा बालक प्राश्चित नहीं कर सकता, क्योंकि प्राश्चित करने के लिए उसके पास कुछ नहीं है, और वे वह पाप थे संसार के, जो कि यीशु के लहू के द्वारा उठा लिए गए। बालक स्वर्ग को जाते हैं।

63 यह मूल पाप है, और यही कारण है कि यह—यह प्रश्न हुआ। जब कोई महान घटना परमेश्वर की ओर से आती है, पहली बात के विषय: "विवाह और तलाक के विषय में क्या है?" अब, जैसा कि कभी रहा यह अब भी एक प्रश्न, लोगों के मध्य में है। जैसा कि यह यीशु के समय में था, जैसा यह मूसा के समय में था, यह सदा से रहा है और आज तक है, लोगों के मध्य में एक प्रश्न, क्योंकि लोग जानना चाहते हैं कि सत्य क्या है।

64 परंतु जहां एक प्रश्न है तो उसका उत्तर होना चाहिये। और उत्तर होने के नाते, जैसा कि इस सप्ताह मैंने कहा एक सही उत्तर होना ही चाहिये। यदि किसी चीज का हमें उत्तर मिलता है, और यह—यह ठीक नहीं है, तो हम जानते हैं कि यह गलत था। परंतु यह है कि आप तब तक पूछेंगे जब तक सही प्रश्न का उत्तर ना मिले यदि आप सत्य जानना चाहते हैं, क्योंकि यह बाइबल का प्रश्न है, तो इसका उत्तर बाइबल से ही होना चाहिये।

65 यह जैसा मैंने कहा, यदि इस प्रात: मैं पूर्व की ओर जाना चाहता है, और सबसे अच्छा जो मैं जानता हूं, यह है मुझे मैदान में कोई निश्चित चीज़ ढूंढनी है, और यह सीधा पूर्व है, और मैं पूर्व चाहता हूं। किसी ने कहा, "भाई ब्रन्हम, *यह* पूर्व है।" यह संभविता पूर्व है, परंतु यह उत्तर–पूर्व है। यह उस चीज को जो मैं देख रहा था, चूक जायेगा; मैं वापस आऊंगा जानते हुए कि यह गलत था। और फिर किसी ने कहा, "भाई ब्रन्हम, *इधर* की ओर जाये अपने दाहिने ओर।" अब यह सम्भवित पूर्व भी है, परंतु यह दक्षिण पूर्व है। मैं उद्देश्य से भटक जाऊंगा, जो मैं ढूंढ रहा था, क्योंकि मैं सीमा से आगे निकल गया उस सिद्ध दिशा से।

66 अब यदि यह ऐसा है, हमारे पास विचारों के दो विद्यालय इस *विवाह और तलाक* पर है। और उनमें से एक कहता है, "एक मनुष्य केवल एक बार विवाह कर सकता है जब तक कि उसकी पत्नी मर ना जाये।" और यह एक प्रश्न है, परंतु, आप इसका पालन करने जा रहे हैं आप बाहर निकल जाते हैं, और फिर अगला कहता है, "ओह, यदि पत्नी या पति कोई भी

एक व्यभिचार करता है, कोई भी एक छोड़ा जा सकता है और फिर विवाह करें।” आप स्वयं को इसके ऊपर पाते हैं।

67 इसलिए, देखिए ये ना ही दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व है; वह सीधा—सीधा पूर्व चाहते है। आप पवित्र वचन से बाहर हो जाते हैं, जब आप *इस* ओर जाते हैं आप वचन से बाहर हो जाते हैं जब आप *इधर* की ओर जाते हैं। हम वह चाहते हैं, जहां वचन से वचन मिलता है और जानना चाहते हैं कि इसका सत्य क्या है। प्रत्येक एक अलग मार्ग लेता है, और सही उत्तर लेने में असफल होता है, परंतु फिर भी एक उत्तर होना चाहिये।

68 यह आज के समान है, कलीसिया में शिक्षा के दो महाविद्यालय हैं; उनमें से एक कैलविनवाद और दूसरा अर्मीन... अर्मीनवाद। एक विधिवादी और दूसरा वाला अनुग्रह। और हमने यह पाया वे लोग जो अनुग्रह में विश्वास करते हैं, कैलविनवादी वे कहते हैं, “धन्य परमेश्वर, यह धुम्रपान मुझे चोट नहीं पहुंचाता। मदिरापान से मुझे हानि नहीं होती। मैं यह चीजें कर सकता है, मेरे पास अनंत सुरक्षा है।” तब हम दूसरी ओर पाते हैं, विधिवादी पर, कहा, “ओह, मैं उस पर चिल्ला कर बाहर कर दूंगा, मैं उसे अपने शांति दिखाऊंगा, परंतु मैं एक मसीही हूं, मुझे शान्त ही रहना होगा।” देखिए, आप स्वयं को दो अलग मार्गों पर पाते हैं, और उन में से एक भी ठीक नहीं। अब, यह कहना कठोर बात है, परंतु यह सत्य है।

69 हम स्वयं को दो अलग मार्गों पर पाते हैं; एक, एक ओर; और दूसरा दूसरी और जा रहा है। अब, आइए देखें सत्य क्या है।

70 अब सुनिए, और देखिए यदि आपको यह उचित मालूम पड़ता है। उदाहरण के लिए, यदि मैं विदेश यात्रा के लिए तैयार होता हूं, और मैं अपना परिवार लूंगा। मैं अपनी पत्नी के पास बुलाऊंगा, और मैं कहूंगा, “हम... कि मैं विदेश जा रहा हूं, प्रिय।” अब यहां पर विधीवादित की ओर, “अब मेरी पत्नी, मैं आप पर कानून लागू करता हूं! यदि जब मैं बाहर होता हूं, और तुमने किसी व्यक्ति के साथ इश्क बाजी की, और जब मैं वापस आऊंगा तो तुम तलाक पायी स्त्री हो। और मैं नहीं चाहता कि तुम आंखें इधर—उधर चलाओ, मैं नहीं चाहता कि तुम इश्क बाजी करो! तुम समझती हो? मैं तुम्हारा पति हूं! यदि तुम करती हो, तो वापस आने पर मैं तुम्हें छोड़ दूंगा।”

71 तब वह बढ़कर मेरी टाई पकड़ कर कहती है, “मेरे अच्छे पति, मैं भी तुम से कुछ कहना चाहती हूं, देखा, कि यदि तुमने किसी स्त्री के साथ आंखें लड़ाई या किसी स्त्री को बाहर ले गए या किसी स्त्री से इश्क बाजी करी, तो तुम तलाक पाने वाले पति होंगे जब तुम वापस आओगे।” अब, क्या वह खुशहाल घर होगा? यह विधिवादी है। ठीक है।

72 अब, दूसरी ओर की यदि आप विदेश जाते हैं और गलती कर जाते हैं... और जा कर कहे, “अब, देखिए, मैं *इस* स्त्री को बाहर ले जाऊंगा। ओह, मेरी पत्नी के साथ सब ठीक है, वह चिंता नहीं करती।” मेरी पत्नी कहती है, “मैं इस पुरुष के साथ बाहर जाऊंगी बिल के साथ कोई परेशानी नहीं है, वह चिंता नहीं करता।” यदि मैं चिंता नहीं करता, तो फिर मेरे साथ कुछ गड़बड़ी है, मैं सही में उस स्त्री से प्रेम नहीं करता। और यदि वह चिंता नहीं करती, तो उसके साथ कुछ गड़बड़ है। वह मेरी पत्नी है; मैं नहीं चाहता कि दूसरा आदमी उसे मूर्ख बनाए। वह *मेरी* पत्नी है।

73 अब, इसका सही मार्ग, वहां वे दोनों उनके पास सत्य है, परंतु यही सत्य नहीं।

74 अब जब मैं विदेश जाता हूं, इसे ठीक करने के लिए, मेरा छोटा परिवार जमा होता और हम एक दूसरे के साथ प्रार्थना करते हैं। और मैं उन्हें परमेश्वर को समर्पित करता हूं और वे मुझे परमेश्वर को समर्पित करते हैं। और जब हम करते हैं, हम विदेश चले... मैं विदेश चला जाता हूं। अब मैं जानता हूं कि वह मुझ से प्रेम करती है; और मुझे उस पर विश्वास है। वो... और मैं उस से प्रेम करता हूं; और उसे मुझे विश्वास है। जब तक मैं उस से इस प्रकार प्रेम करता हूं, उसे मेरे विषय में चिंता नहीं है कि मैं दूसरी स्त्री को बाहर ले जाता हूं। जब तक वह मुझे ठीक–ठीक प्रेम करती है, तो आवश्यकता नहीं कि मैं सोचू वह दूसरे व्यक्ति के साथ बाहर गई है, क्योंकि वह मेरी पत्नी है और मैं उसका विश्वास करता हूं।

75 मैं विश्वास करता हूं, यदि मैं वास्तव में कुछ गलत करूंगा गलती करूं और किसी स्त्री के साथ बाहर जाऊं, और वापस आऊं और उसके सामने यह मान लू और उसे बताऊं, “मेडा, मेरा अर्थ एसा करने का नहीं था। मैं बस फंदे में फंस गया; और यह स्त्री भागती हुई मेरे पास आई, और—और मेरा हाथ पकड़ लिया, और *ऐसा–ऐसा* आरंभ कर दिया।” मैं विश्वास करता हूं वह समझ रही होगी, मैं विश्वास करता हूं कि वह इसके लिए मुझे

क्षमा कर देगी। परंतु मैं यह नहीं करूंगा बिना बात के, क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं। यधपि वह मुझे क्षमा कर देगी मैं यह नहीं करूंगा, मैं उसे चोट नहीं पहुचाऊंगा बिना मतलब के। यधपि मैं जानता हूं कि इसके लिए वह मुझे क्षमा कर देगी, मैं उसे चोट नहीं पहुंचाना चाहता।

76 और इसी प्रकार से परमेश्वर के संग है। यदि मैं... यदि एक *फिलियों* प्रेम जो कि मनुष्य का प्रेम है, संगति का प्रेम जो मनुष्य को उसकी पत्नी के विषय में ऐसा अनुभव कर सकता है; तो फिर *अगोपो* प्रेम के विषय में क्या है यूनानी भाषा में शब्द का अर्थ है, "परमेश्वर का प्रेम," यह कैसे मुझ से यीशु मसीह के विषय में करवायेगे? मैं, जब तक मैं यह करने के लिए जाना चाहता हूं, मेरे ह्रदय में है कि यह करूं! चाहे... मैं कहता हूं, जब तक यह मेरे ह्रदय में है कि इसे करूं, मैं इसे करने को जाता हूं। विधिवादी मुझे यह नहीं करने देता, क्योंकि मैं यह जानता हूं कि इसे करने से मुझे दंड मिलेगा। परंतु इसकी वास्तविक सचाई जब परमेश्वर का प्रेम आपके ह्रदय में जब तक आता है आप इसे करना *चाहते* हैं यही इसका सत्य है। दो विद्यालय है। ना ही विधिवादी या दूसरा या कैलविनवाद, यह दोनों।

77 अब हम आज भी यह पाते हैं, वहां बहुत से विभिन्न नामधारी है। कैथोलिक कलीसिया है, प्रोटेस्टेंट कलीसिया है, उनमें से प्रत्येक यह कहता है कि मार्ग वे है, कि, "मार्ग हमारे पास है, हम सत्य हैं।" मैथोडिस्ट यह कहते हैं कि, "सत्य हमारे पास है।" बैपटिस्ट कहते हैं, "सत्य हमारे पास है।"

78 भाई, मेरे लिए जब तक वे इस प्रकार अनुभव करते हैं, तो यह ऐसा नहीं है, क्योंकि यीशु ने कहा, "सत्य मैं हूं।" समझे?

79 इसलिए, कि पिछली रात्रि जैसा मेरा उद्देश्य था, कि वह कि वह ही वह स्थान है, जहां परमेश्वर ने अपना नाम रखा है, आराधना का एक मात्र स्थान। आप इसलिए मसीही नहीं है, क्योंकि आप प्रोटेस्टेंट है। आप मसीही नहीं है क्योंकि आप कैथोलिक है। आप इसलिए मसीही नहीं है, क्योंकि आप मैंथोडिस्ट, बैपटिस्ट या पेंटीकोस्टल है। आप एक मसीह है, क्योंकि आपने यीशु मसीह में पवित्र आत्मा के द्वारा बपतिस्मा लिया है ना कि पानी के द्वारा, "एक ही विश्वास है; एक ही प्रभु; एक बपतिस्मा," और वह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। जल का बपतिस्मा आपको संगति

में लाता है। पवित्र आत्मा का बपतिस्मा आपको मसीह में प्रवेश करता है। यही सच्चाई है।

80 इस *विवाह और तलाक* पर हमारे पास दो विचार है। अब जो हमारे प्रभु ने अपने वचन के सात मोहरों के भेद हम पर खोल दिए, इन अन्त के दिनों में। अब, आप में से बहुत से यह आपके लिए यूनानी हो सकती हैं, परंतु मेरी कलीसिया इसे समझती है। किसके द्वारा? और आपने दर्शनों के विषय में सुना होगा और क्या घटित हुआ। और प्रश्न बाइबल का प्रश्न है, हमें यहां यह विश्वास करने को आमंत्रित किया गया है कि इस समस्त छिपे हुआ भेद जो पृथ्वी के रचने से पहले छिपा है उसका कोई सही सच्चा उत्तर होना चाहिये। और बाइबल की भविष्यवाणीयां कहती है, कि इस दिन में यह भेद खुल जायेंगे। प्रकाशितवाक्य 10, "और सातवें दूत के शब्द देने के समय लौदिकिया का दूत परमेश्वर का भेद खुल जायेगा।" और यह अंतिम युग है, जो कि लौदिकिया है।

81 इन सारी बेदारियों को देखिए जो 15 या उससे अधिक वर्षों तक चली, और उससे कोई भी नामधारी बाहर निकल कर नहीं आया। लूथर की बेदारी थी, वहां एक नामधारी आ गया; वैसली, वहां एक नामधारी आ गया; एलेक्सेन्डर कैम्पबेल, वहां एक नामधारी आ गया; और यह सारे दूसरे महान... जॉन स्मिथ और आदि–आदि नामधारी मूड़ी साथ–साथ। परंतु यहां एक था... एक बेदारी अधिकांश तीन वर्षों तक चलती है। परंतु यह 15 वर्षों से चल रहा है, और एक भी नामधारी इसमें नहीं बना क्योंकि यह बीज का समय है। अब कोई और छिलका नहीं है; एक छिलका चले जाने के बाद, यह बीज है।

82 परमेश्वर पहले ही, यदि वह इसे अब नहीं कर रहा है, वह एक कलीसिया को अपने वचन के सिद्धांत के लिए बुला रहा है, यीशु मसीह। ध्यान दें, कहीं तो एक उत्तर होना चाहिये, और उसके नाते कि परमेश्वर के सात मोहरो का भेद, सात मोहरे...

83 कितने यह समझते हैं, अपने हाथ उठाये। जरा देखें। मैं सोचता हूं हमारी अधिकांश भक्त मंडली आसपास से है, सुनिए। यदि नहीं, तो जल्द ही पुस्तके बाहर आ जायेगी, इस विषय पर। हमारे पास पुस्तकें हैं, अब इस पर कुछ पुस्तकें हैं।

84 यीशु, हमारे इस मूल विषय में हमें वापस आरंभ में आमंत्रित करता है, उस सच्चे वचन के उत्तर के लिए।

85 अब, जब उसका आमना–सामना इससे हुआ तो वहां दृश्य में दो चीजें थी। याजको ने उससे कहा, "क्या मनुष्य अपनी स्त्री को किसी कारण से त्याग सकता है, और दूसरी से विवाह करें? "

और यीशु ने कहा, "आरंभ में ऐसा नहीं था।"

तब उन्होंने कहा, "मूसा ने हमें त्याग पत्र लिखने की आज्ञा दी, और उसे छोड़ दें किसी भी बात के लिए जो उन्होंने चाहा।"

86 उसने कहा, "मूसा ने यह किया, क्योंकि, " थोड़ी देर के लिए मैं इसकी पैरवी कर दू, "तुम्हारे ह्रदय की कठोरता के कारण; परंतु, आरंभ, या आरंभ से यह ऐसा नहीं था।" प्रश्न!

87 आज का प्रश्न, जैसे संसार की शांति, "क्या यह राजनीति के द्वार से आ रहा है, राष्ट्रो की एकता, एकता? " मैं आप से कहता हूं, नहीं। यह सदा से असफल रहा है और यह फिर रहेगा। परंतु प्रश्न के लिए एक सच्चा उत्तर रहेगा, "क्या पृथ्वी पर शांति रहेगी? " जी हां, जब पृथ्वी पर से पाप हट जाये तब शांति होंगी। परंतु जब तक कोई शांति नहीं होगी; "राष्ट्र, राष्ट्र के विरुद्ध उठेगा, राज्य राज्य के विरुद्ध उठेगा।" परमेश्वर ने पाप के लिए एक उपचार दिया है। अब जरा ध्यान से सुनिए। परमेश्वर ने एक उपचार दिया है कि पाप को पृथ्वी पर से हटा दिया जाये, परंतु पृथ्वी का मनुष्य परमेश्वर के उपचार को स्वीकार नहीं करेगा।

88 परमेश्वर ने हमें एक उपचार दिया और एक मार्ग कि अपनी पत्नियों से विवाह करें और उनके संग रहे, परंतु मनुष्य परमेश्वर के उपचार को स्वीकार नहीं करेगा, इस पर उसके वचन को स्वीकार नहीं करेगा। यीशु ने यह कहा है। और यह हमें उसके वचनों की—की याद दिलाता है, यह जानते हुए कि उसने कहा है, "स्वर्ग और पृथ्वी असफल हो जायेंगे, टल जायेंगे, परंतु मेरा नहीं।"

89 प्रश्न, सही उत्तर कि यीशु चाहता है कि हम वापस जाये आरंभ में वापस जाये। तो फिर यह उत्पत्ति होगी, क्योंकि शब्द *उत्पत्ति* बीज का अध्याय बाईबल के हर प्रश्न का। और आपको सदा वापस बीज पर जाना होगा कि देखे किस प्रकार का बीज वहां मैदान में है, यहां ढूंढने के लिए कि आपकी फसल कैसी होगी। अब किस प्रकार का बीज बोया गया है?

उत्पत्ति बीज का अध्याय होने के नाते हम वापस उत्पत्ति में जायेंगे, यीशु हमारा उस वचन से परिचय कराता है, “आरंभ में।” अब स्मरण रखें यह समय आरंभ हुआ था। इसके पहले, यह अनन्तता थी। अब हमारा प्रश्न वहां था, ध्यान दें, यदि हम आरंभ में जाये।

90 अब इसे असफल ना करें! और यही कारण है मैं धीरे–धीरे बात करना चाहता हूं, ताकि लोग जो बाहर संचार व्यवस्था पर है, और टेप इसे साफ–साफ कहेगा।

91 यदि यीशु ने कहा, “वापस आरंभ में जाओ,” वहां पृथ्वी पर किसी भी चीज का एक जोड़ा था। वहां एक आदम था, एक हवा, वे केवल परमेश्वर के द्वारा जोड़े गए थे। एक मादा घोड़ी, एक नर घोड़ा; एक मादा तोता, एक नर तोता। “आरंभ में,” जैसा उसने हमसे वापस जाने को कहा, वहां किसी भी चीज का एक जोड़ा था। क्या यह सच है? [सभा “आमीन” कहती है—सम्पा।] तब, हम यह पाते हैं कि हर चीज “आरंभ में” सही सिद्ध व्यवस्था में चल रही थी और परमेश्वर के साथ समरूपता में, कुछ भी लीक से हट कर नहीं था।

92 अब तक स्वर्ग में हर चीज व्यवस्थित थी; सारे सितारे, आकाश गंगा, ये सूर्य मंडल, हर चीज सिद्ध व्यवस्था में थी। उनमें से एक हटा, इसने सारे व्यवस्था में विघ्न में डाल दिया।

93 अब सुनिये। क्या आप देखते हैं? एक विघ्न ने सारी व्यवस्था को खराब कर दिया! अब जब मानव जाति परमेश्वर के साथ एक पुरुष एक स्त्री की निरंतरता में दौड़ रही है, इस स्त्री ने पाप किया और इसमें संसार की सारी व्यवस्था को परमेश्वर के साथ निरंतरता से बाहर कर दिया। इसलिए, एक वचन इस में मिलाया गया, या, एक वचन इसमें से निकाला गया एक मसीही को परमेश्वर के साथ निरंतरता से बाहर कर देता है, कलीसिया को परमेश्वर के साथ निरंतरता से बाहर कर देता है, परिवार को परमेश्वर की निरंतरता से बाहर कर देता है। हर विश्वासी बाहर हो सकता है, परमेश्वर के हर वचन को स्वीकार ना करने के द्वारा।

94 तब यह स्त्री थी जिसके कारण प्यारे घर से अलगाव हुआ। यह सराफीम नहीं थे, जिन्होंने पृथ्वी को परेशान किया। यह आदम नहीं था जिसने घर को छोड़ दिया। यह कोई और चीज नहीं थी जिसमें घर को अलग कर दिया, और सारे मामले को निरंतरता से अलग किया, सिवाये एक स्त्री,

हवा। और ये यहां है "आरंभ," जिसके लिए यीशु ने कहा कि टूट गया था। यीशु ने कहा, "आरंभ में परमेश्वर ने एक नर और नारी को बनाया प्रत्येक प्रकार में।" और अब जब यह स्त्री... ना कि मादा कुत्तियां केवल स्त्री, उसने परमेश्वर की सारी निरंतरता के सारे संचालन को पृथ्वी पर तोड़ दिया और हर चीज को मृत्यु में धकेल दिया। स्त्री ना कि पुरुष, उसने वाचा को तोड़ दिया। उसने वाचा को तोड़ दिया, क्योंकि (क्यों?) उसने परमेश्वर की वचन सीमा को पार कर दिया। अब, यदि उसने अपने पति के साथ की वाचा को तोड़ दिया, उसने परमेश्वर की वाचा को तोड़ दिया; तब, क्योंकि उसने परमेश्वर के साथ वादा तोड़ दिया उसने अपने पति के साथ वाचा को तोड़ दिया।

95 और जब आप अपनी प्रतिज्ञा तोड़ते हैं, और अपनी वाचा परमेश्वर के वचन के साथ सही कारण कि बहुत से अवैद्य कलीसिया के सदस्य, क्योंकि मनुष्य का झुंड एक साथ जुड़, और कहा, "इसका *यह* अर्थ नहीं है," और इसने सारी संस्था को वचन की निरंतरता से बाहर कर दिया, "हम यह विश्वास नहीं करते। डॉक्टर जोंस ने कहा यह ऐसा नहीं था।" परंतु जहां तक परमेश्वर ने ऐसा कहा है, उसने कहा, "हर मनुष्य का वचन झूठा और मेरा सच्चा ठहरे!" वहां यह निरंतरता टूटती है।

96 अब हम देखते हैं, उस निरंतरता के टूटने से तो जीवन रेखा टूट गई थी, समय की रेखा भी टूट गई थी, वादा टूट गई हर चीज टूट कर बिखर गई! इसका क्या कारण था? एक स्त्री। यही जिसने वाचा तोड़ी। अब यदि आप पढ़ना चाहते हैं, आप उत्पत्ति तीन पढ सकते हैं।

97 अब यह उसके बाद था कि मनुष्य स्त्री पर प्रभुता करने के लिए बनाया गया था, परमेश्वर के वचन के द्वारा। अब वह उसके साथ बराबर नहीं थी। वह स्वभाव में बराबर थी आप जानते हैं; परंतु जब उसने परमेश्वर का वचन तोड़ दिया परमेश्वर ने पुरुष को उस पर प्रभुता करने वाला बनाया। उत्पत्ति 3:16 यदि आप इसे लिखना चाहते हैं। अब वह पुरुष के साथ बराबर ना रही। वह परमेश्वर के वचन को तोड़ने वाली बनी।

98 क्या आप नहीं देखते, "नारी," नारी, वह कलीसिया यहां पर? परमेश्वर के वचन को तोड़ने वाली, जिसने उसे पूरी रीती से निरंतरता से बाहर कर दिया। और यही कलीसिया ने किया है, और आत्मिक मृत्यु

को सब पर डाल दिया। अब आप समझेंगे, क्यों मैं इस प्रकार की बातों पर प्रहार करता हूं, यह सत्य है! यह बाइबल का सत्य है।

99 ध्यान दें, उसने इस प्रकार की चीज क्यों की; कैसे वह प्रिय सुंदर सिद्ध स्त्री... ?

100 मैंने एक बार एक चलचित्र देखा, मैं विश्वास करता हूं यह यूनान में एक कलाकार जिसने हवा का चित्र रंगा। वह बहुत ही भयानक चीज़ जो कभी देखी गई, यह ये दर्शाता है कि सांसारिक बुद्धि क्या देख सकता है। परंतु वह नहीं थी; वह सुंदर थी, क्योंकि वह एक सिद्ध स्त्री थी पूरी स्त्री।

101 ध्यान दें, उस उच्च श्रेणी में होते हुए ऐसा कार्य क्यों किया? वह पुरुष के संग ठीक थी, उसके साथ बराबरी में। परंतु हम सब जानते हैं कि उसने अपनी बराबरी को पुरुष के साथ खो दिया, जब उसने पाप किया और परमेश्वर ने कहा, कि, "पुरुष अब से तेरे ऊपर प्रभुता करेगा।" अब यह वचन है, यदि आप चाहें तो हम इसे पढ़ सकते हैं।

102 मैं आपको वचन दे रहा हूं कि इसलिए कि इस समस्त राष्ट्र में इस बड़ी संचार व्यवस्था का समय बचाने के लिए, ताकि आप इसे स्वयं पढ़ सके।

103 ध्यान दें कि कारण उसने यह किया। कैसे शैतान ने उसको जा लिया?

104 क्या आप जानते हैं कि शैतान परमेश्वर के संग एक दिन बराबरी में था? निश्चय ही, वह सब कुछ था सिवाये एक रचियता के; वह सब कुछ था, स्वर्ग में परमेश्वर के दाहिने खड़ा हुआ, महान सराफीम अगुवा।

105 ध्यान दें कि कारण उसने यह किया, वह परमेश्वर की मूल सृष्टि में ना थी; वह एक उप–उत्पाद थी। इसलिए, "आरंभ में," जैसे यीशु ने इसका उल्लेख किया, वह परमेश्वर की मूल सृष्टि ना थी। वह पुरुष की एक उप–उत्पाद थी, जब यीशु ने उल्लेख किया कि, "आरंभ में।"

106 स्मरण रखे कि आदम नर और नारी दोनों था, उस मूल सृष्टि में, एक, परंतु बाद में वह एक पसली के द्वारा अलग किया गया।

107 ध्यान दें, परंतु एक उप–उत्पाद और ध्यान दें, परमेश्वर की सारी सृष्टि में एक, प्रत्येक पशु और हर चीज, केवल यही इस प्रकार बनाई गई। दूसरी सारी मादाये मूल सृष्टी में थी। दूसरी सारी मादाये मूल सृष्टि में थी, परंतु हवा मूल सृष्टि में नहीं थी। देखिए, उसका ऐसे ही बनाया जाना था, थोड़ी

देर में हम इसे लेंगे। ध्यान दें, इस सृष्टि में जिसमें वह थी, मूल सृष्टि में नहीं थी परंतु एक उप–उत्पाद। और इस सृष्टि में वहां...

108 अब मैं आपकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता, परंतु मैं आपको सत्य बताना चाहता हूं। और आप जरा शांत बैठे; आप अच्छा कर रहे हैं।

109 इस प्रकार का ऐसा कुछ नहीं बना जो कि इतना धोखे से भरा हो, जैसे कि एक महिला धोखे से भरी। इस प्रकार का कुछ भी नहीं हो सकता; इस प्रकार की कोई और चीज नहीं बनी।

110 यह भी, कि ऐसा और कुछ नहीं है जो कि सरलता से बहकाया जा सके जैसे एक स्त्री। अब, गिरावट इस बात को सत्य प्रमाणित आरंभ की गिरावट।

111 वह आरंभ की सृष्टि में नहीं थी। वह आदम के अंदर थी, परंतु आरंभ में नारी लिंग में नहीं, स्वयं में, वह उप–उत्पाद बनाई गई थी।

112 अब वहां ऐसी कोई परिकल्पना नहीं थी, जो धोखा खा सके और धोखा दिया गया हो, इतना सरल जैसे एक स्त्री। कोई भी परिकल्पना नहीं या इतनी नीची झुक सके जैसे एक स्त्री हो सकती है। अब सोचिए। वहां कोई ऐसी परिकल्पना नहीं, सारी सृष्टि में, जो इतनी नीचे झुक सके, जैसे नीचे एक स्त्री हो सकती है। वह पुरुष के हृदय के सरलता से टुकड़े कर सकती है, जो कोई और नहीं, यहां इस संसार में, जो उसकी पत्नी है। उस अच्छी भली पत्नी जो किसी दूसरे व्यक्ति के साथ–साथ भागती फिरे; उस व्यक्ति को देखें, उसके उन बालकों के साथ बैठे हुए उसकी आंखों से आंसू गिर रहे हैं। उसकी परिकल्पना इसी प्रकार से की गई है। उसकी परिकल्पना यही करने के लिए की गई है। कोई सूअरी नहीं, कोई कुत्ता नहीं या कोई दूसरा पशु की परिकल्पना इस प्रकार से की गयी, जिसे स्त्री या इतनी नीचे को गिरे जितनी कि वह गिर सकती है। अब, यह सत्य है।

मेरी बहनों के सम्मान के साथ, मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें।

113 कोई भी पशु अनैतिक नहीं हो सकता। आप एक कुत्ते को "फूहड़" कहते हैं, मादा कुत्तिया को, आप नर को कहते हैं... एक "सूअर" सूअरी परंतु उसका आचरण हॉलीवुड के सितारे से लाखों मील आगे है। यह कितना नीचा, उसकी परिकल्पना नीचे जाने को की गई है, वह नहीं सकती... अब इस पर विचार करें, संसार में ऐसा कुछ परमेश्वर की सृष्टी में नहीं बना, जो इतना अश्लील, इतना नीचे हो जाये।

114 आप कहते हैं, "'पुरुष' एक मिनट रुके!" हम इसे पाने जा रहे हैं। कि स्त्री को "हां" कहना पड़े।

115 ध्यान दें, इतनी नीचे गिरी हुई किसी की परिकल्पना नहीं की गई या गंदी सेवाये एक महिला के। एक कुत्ता यह नहीं कर सकता, एक सूअर यह नहीं कर सकता, चिड़िया यह नहीं कर सकती, कोई पशु अश्लील नहीं, ना ही यह हो सकता है, क्योंकि उसकी परिकल्पना ऐसी नहीं हुई कि यह हो सके। एक मादा सूअर (अनैतिक) अश्लील नहीं हो सकती, एक मादा कुत्तिया अश्लील नहीं हो सकती, एक मादा चिड़िया अश्लील नहीं हो सकती! केवल एक स्त्री ही ऐसी चीज है, जो कर सकती है।

116 अब आप देखिए कि शैतान कहां गया? परंतु वह अब भी है वही है जिसे "हां" या "ना" कहने की सामर्थ है। देखिए, निर्भर करता है वह स्वयं को कहां रोकना चाहती है। समझे? अब हम यहां पर सर्प के वंश को स्पष्ट देख सकते हैं, यह कहां से भीतर आया। केवल वहां एक ही स्थान था जहां वह जा सकता था। यदि यह तय नहीं किया गया होता, कोई अंधा है। समझे? देखिए, इसे इसी पर जाना था।

117 ध्यान दें कारण कि पशु इसे नहीं कर सकते, एक मादा पशु वे मूल सृष्टि में थे। परंतु स्त्री उस मूल सृष्टि में नहीं थी। अब हम इसकी गहराई में जा रहे हैं, तब आपको सीधे आधुनिक दिन में लायेंगे, नए नियम में।

118 केवल उसी की ही परिकल्पना की गई गंदगी के लिए और अपवित्र जीवन। एक कुत्ता नहीं कर सकता, और कोई दूसरी मादा नहीं कर सकती। यह केवल स्त्री जो कर सकती है। एक कुत्ता या कोई दूसरा पशु वर्ष में एक बार और वह अपने बालको के लिए; ना कि कामवासना के आनंद के लिए, परंतु अपने बालकों के लिए। वह सूअरी सूअर, फूहड़ कुत्ता वर्ष में एक बार, एक समय, वह उसके बालकों के लिए। परंतु स्त्री की परिकल्पना ऐसी की गई, किसी भी समय जब वह चाहे। मैंने कुछ चीजें यहां काट दी है; बाकी कि आप कल्पना कर सकते हैं। एक कुत्ता नहीं कर सकता; स्त्री कर सकती है। मैं आशा करता हूं कि पवित्र आत्मा बाकी आप पर प्रगट कर देगा, मैंने यहां काट दिया है।

119 केवल यही एक जाति है, मादा जाति, जो नर से अधिक सुंदर बनाई गई है। और दूसरों में कोई नहीं। परमेश्वर की सारी रचना में नर सुंदर है, जिसे पशुओं में चिड़ियों में और आदि–आदि सदा नर ही सुंदर होता है।

120 उस बड़े हिरण को देखें, बड़े अच्छे सींग, महान जाति; और छोटी नम्र, हिरनी। उस बड़े मुर्गे को देखें अपने सुंदर पंखों के साथ; और छोटी, भूरी मुर्गी। चिड़ियों को देखें, मुर्गा और मुर्गी। क्यों? क्यों ये ऐसा था, परमेश्वर की सारी सृष्टि में? हर जीव नर में सुंदरतम है। भेड़ो के बीच में, सुअरों में, घोड़ो में, किसी भी चीज में, यह बड़ा नर जो सुंदर है और चिड़ियों में।

121 परंतु मनुष्य जाति में यह स्त्री जो सुंदर है ना कि पुरुष; यदि वह है, तो कुछ गड़बड़ है, कहीं बीज में मिलावट, मूल में यह इसी प्रकार है क्यों; क्यों यह किया गया? इसके द्वारा धोखा उसका अभिकल्पक, शैतान, अब भी उस पर कार्य कर रहा है, इन अन्त के दिनों में।

122 मैं यहां थोड़ी देर के लिए रुकू "सुंदर!" क्या आप जानते हैं, संसार के अंतरराष्ट्रीय बर्बादी या, सारे संसार में, सुंदर स्त्रियों के कारण? "जब परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्यों की पुत्रियों को देखा कि सुंदर है, उन्होंने उन्हें अपनी स्त्री बना लिया।" क्या यह बात ठीक है?

123 क्या आपने ध्यान दिया इन दिनों में स्त्रियों की बढ़ती हुई सुंदरता? मैंने पर्ल ओ ब्रिएन का चित्र देखा है, जो कि राष्ट्र में सबसे सुंदर स्त्री समझी जाती थी, एक समय में। इस विद्यालय में कोई भी किशोरी नहीं है, परंतु उसका प्ररूप क्या होगा, जब वह सुंदरता पर आती है।

124 स्त्रियों में बढ़ती हुई सुंदरता यह दर्शाता है कि यह धोखे का समय है। कलीसिया कब इतनी अधिक सुंदर दिखाई पड़ी जैसे आज? हर चीज महान प्रस्तुति में, बड़ी अच्छी इमारतें और *इसके* और *उसके* लाखों लाख। क्या आप नहीं देखते, "स्त्री" धोखा!

125 अब उसने समान कुछ भी नीच नहीं, और इसकी परिकल्पना इस प्रकार की गई कि वह धोखा खा सके। और आज शैतान इन अंत के दिनों में उस पर कार्य कर रहा है, क्योंकि वह उसका अभिकल्पक है (डिजाइनस)। मैं अब यह सिद्ध कर सकता हूं कि फिर से आरंभ में चले, किसने उस पर कार्य आरंभ किया आदम या शैतान, परमेश्वर या शैतान? देखिए वह उसका अभिकल्पक है। यह उसका मुख्य हथियार है कि मनुष्य को उसकी गंदगी में फेंके, एक सुंदर स्त्री होने के नाते वह पुरुष को किसी भी प्रकार झुकाती है जैसा वह चाहती है। भाई, यह शराब के तस्कर मिलकर इस पुरुष को नहीं ले पाते यह सुंदर स्त्री जो सड़क पर भटकती हुई आधे कपड़े पहने जा रही है। यही जो लेती है... यही वह धोखेबाज यहां पर है। और

वह इसके साथ घातक, पूर्णत: घातक। आप मुझसे प्रश्न कर सकते हैं कि शैतान इसका अभिकल्पक परंतु यह सत्य है। शैतान ने उसको रूप रेखा दी, वह अब भी करता है।

126 पवित्र वचन में मैं आपको कुछ दिखाऊं, मुझे आपको वापस वचन में ले जाना है, और आप अपना दृष्टिकोण बनाइये, जैसा आप आज देखते हैं।

127 शैतान ही वह है जो इस प्रकार कि सुंदरता की रूपरेखा तैयार करता है। यदि हम ध्यान देंगे, वह स्वर्ग में सारे दूतों से सुंदर था। क्या यह ठीक बात है? और उसने इच्छा की स्वर्ग को मिकाएल के राज्य से अधिक सुंदर बनाऊं। क्या यह ठीक बात है? यह भी, दर्शाने के लिए कि कैन उसका पुत्र था, उसने अधिक सुंदर आराधना प्रस्तुत की अपनी वेदी को फलों और फूलों से सजाया और आदि–आदि। क्या यह ठीक बात है? सुंदर! पाप सुंदर है, जिसे आज हम सुंदरता कहते हैं, सुंदरता के द्वारा पाप धोखा है। आप सड़क पर जाती हुई स्त्री को कभी नहीं देखेंगे और बताएं कि उसके ह्रदय में क्या है। समझे? परंतु मैं इन बातों में यह कहना चाहता हूं ताकि आप देख सके कि क्यों शैतान स्त्री का अभिकल्पक है। यह बिल्कुल ठीक है, उसके अपने पुत्र ने यह सिद्ध किया, कैन ने। अब, वह सुंदर है ताकि बहकाई जा सके।

128 संसार सुंदर है इसलिए कि धोखा दे सके। मेरा अर्थ है ये भौतिक *संसार,* चलन कॉसमॉस। यह सुंदर है, ताकि यह धोखा दे सके, महान अच्छे स्थान और विलासिता।

129 भविष्यव्यक्ता को स्मरण रखें, आमोस, जब वह निकल कर आता है और नीचे नगर को देखता है और आधुनिक हॉलीवुड के समान दिखता है, उसकी बूढ़ी आंखे छोटी हो जाती है, उन सफेद चेहरे के बालों में। और वह वही एक संदेश के साथ गया और उस स्थान के ऊपर चिल्लाता है। उसने कहा, "वही परमेश्वर जिसकी सेवा का तुम दावा करते हो, तुम्हें नष्ट कर देगा!" यह ठीक बात है।

130 पाप सुंदर है। उन्होंने यहूदा को किसी पुराने शराबी के समान चित्रित किया जैसे यहां कही सड़कों पर होते हैं, और मुंह पर मक्खियां बैठी थी, और आदि जैसे यहूदा हो। यहूदा सुंदर था, मजबूत, एक धोखेबाज। यह वह व्यक्ति नहीं जो आपके आसपास दिखाई पड़े यह वह व्यक्ति नहीं (पुराना

किसान) एक समस्त जोड़ा पहन कर आये और आपकी पत्नी को ताके; यह वह चालाक, वह धूर्त है।

131 पाप संसार की आंखों में सुंदर है, परंतु परमेश्वर इस प्रकार की सुंदरता में चित्रित नहीं होता। क्या आप यह जानते हैं? परमेश्वर चरित्र में चित्रित होता है, सुंदर चरित्र में।

132 बाइबल में, यशायाह 53, यदि आप वचन को लिखना चाहते हैं, यहां वचनों की लाइन लगी हुई है, यहां एक ओर लिखे हैं। यशायाह 53, बाईबल ने कहा, हमारा प्रभु यीशु, "उसमें कोई सुंदरता नहीं थी कि हम उसे चाहते. हमने अपने चेहरों को उससे छिपा लिया।" क्या यह ठीक बात है? हमने उसे नहीं चाहा, क्योंकि वह सुंदर नहीं था संभवत: वह छोटा सा व्यक्ति झुके हुए कंधों के साथ साधारण सा दिखने वाला और अगुवाई के लिए चाहने योग्य नहीं। वह अगुवा सा प्रतीत नहीं हुआ साधारण गलियों की भाषा में बोला और आदि–आदि जैसे लोग करते हैं, साधारण लोग, इसलिए वह कोई महान ज्ञानी, शिक्षित शानदार, अच्छे कपड़ों के साथ नहीं दिखाई पड़ा और आदि–आदि, वह बस एक साधारण सा व्यक्ति था। "उसमें कोई सुंदरता नहीं थी कि हम उसको चाहते।" वह लोगों के बीच आया और गया, उनके संग–संग यहां तक कि वे नहीं जान पाए कि वह कौन था। वह ऐसा नहीं लगा कि जैसे ईश्वर उनके संग चला, हम क्या सोचेंगे कि एक ईश्वर था। परंतु वही, वह था।

133 क्या आपने ध्यान दिया जब प्रभु परमेश्वर ने शेमुएल से—से कहा, "यैशे के घर को जा और उसके पुत्रों में से एक अभिषेक कर, कि राजा हो कि शाऊल का स्थान ले"?

134 अब लोगों ने शाऊल को चुना, जबकि शमूएल ने उनको पक्की रीति से बताया कि यह ना करें। उसने कहा, "परमेश्वर नहीं चाहता कि तुम्हारे पास राजा हो; वह तुम्हारा राजा है।" और कहा, "क्या मैंने कभी तुमसे प्रभु के नाम से कुछ कहा, और घटित ना हुआ हो? क्या मैंने कभी तुम से कोई पैसे मांगे या *कुछ और* कि अपनी जीविका चलाऊं? "

135 उन्होंने कहा, "नहीं, तुम ने हम से कभी पैसे नहीं मांगे। और जो कुछ भी तूने प्रभु के नाम से कहा वह घटित हुआ। परंतु जो भी है, तू हमें राजा दे," इस प्रकार उन्होंने शाऊल को चुना, देखिए संसार ने क्या चुना! देखिए इस्राएल ने क्या चुना! इस्राएल, परमेश्वर का अभिषिक्त उन्होंने एक

मनुष्य चुना जो कि राष्ट्र में उसके कांधे से ऊपर कोई नहीं था; महान, बड़ा, शानदार सुंदर दिखने वाला व्यक्ति और वह सदा खुशबू छोड़ता था।

136 परंतु परमेश्वर ने कहा, "अब मैं अपने अनुसार एक राजा चुनने वाला हूं।" इसलिए उसने कहा, "शमूएल, मैं तुम्हें नहीं बताऊंगा कि वह कौन है, परंतु तू अब वहां जा वह यैशे के लड़कों में से एक है।"

137 और यैशे, उसकी पत्नी और उन सब ने चारो ओर देखा, "हां, हमारा सबसे बड़ा बेटा, वह बड़ा लंबा सुंदर पुरुष, वह राजा के ताज के लिए ठीक है। वह चतुर, वह शिक्षित, वह एक अच्छा मनुष्य है। और मैं जानता हूं वह ठीक रहेगा। वह अपने शब्द नहीं बोलता है।"

138 जब वे उसे बाहर निकाल कर लाए शमूएल ने तेल की कुप्पी निकाली और उसकी ओर बढ़ा। उसने कहा "नहीं प्रभु ने उसके लिए मना कर दिया।" इस प्रकार वह नीचे की ओर छ: पुत्रों पर गया, और प्रभु ने उनमें से हर एक के लिए मना कर दिया। उसने कहा, "क्या कोई और है? "

139 "ओह," उसने कहा, "हां, एक और है। वह वहां पीछे भेड़ों को चरा रहा है। वह वहां पीछे बैठा हुआ और गीत बजा रहा है और उसे गा रहा है, और चिल्लाता और चलता रहता है। परंतु वह एक झुके हुए कंधो वाला स्वस्थ दिखने वाला है, वह उसे कभी राजा नहीं बनायेगा।"

140 उसने कहा, "जाकर उसे बुला लाओ।" और जब दाऊद भविष्यव्यक्ता की आंखों के सामने आया भविष्यव्यक्ता ने दौड़कर उसके सिर पर तेल उड़ेल दिया, कहा, "यह परमेश्वर का चुना हुआ है।" कोई सुंदर नहीं; परंतु चरित्र। परमेश्वर चरित्र को देखता है।

141 मनुष्य स्वाभाविक सुंदरता को देखता है। यह धोखा है। और इसी कारण स्त्री को सुंदरता दी गई है, धोखे के लिए कि धोखा दे। एक सुंदर स्त्री, यदि वह इसका ठीक प्रयोग ना करें तो यह उसके लिए श्राप है; यह उसको किसी भी चीज से जल्द नरक में भेज देगा, मैं यह जानता हूं। यदि वह केवल... यदि वह सुंदर हो सके निश्चय ही जब तक वह अपने पति के साथ बनी रहे और जो ठीक है, वही करें तो यह—यह बहुत अच्छा शानदार है। परंतु वह उसी चीज को ले सकती है, और वह कैसे इसके साथ धोखा खा सकती है, क्योंकि यह इसको ऐसा करने के लिए दिया गया है।

142 अब ध्यान दें, परंतु परमेश्वर चरित्र में चित्रित होता है। "उसकी कोई सुंदरता ना थी कि हम यीशु को चाहते," परंतु उसके समान कभी कोई चरित्र ना हुआ, इस पृथ्वी पर।

143 अब आज हम पाते हैं, कलीसिया का चरित्र, शैतान और उसका झुंड जो बड़े सुंदर आराधनालयो को देखता, सुंदर चीजें। जो कि आज संसार देख रहा है। "ओह, यह पास्टर है, महान *आदि–आदि* समय *आदि–आदि,* इतना याजकता और भक्ति पूर्ण, बाहर आता, यह बड़े–बड़े वस्त्र और इस प्रकार की चीजें" वे इसे सुंदरता करते हैं।

144 परंतु परमेश्वर के वास्तविक संत वचन के प्रमाणित चरित्र को देखते हैं।

145 यही उस दिन में संतों ने किया जब उन्होंने यीशु को देखा। उसमें देखने का कुछ भी नहीं था, परंतु उन्होंने देखा कि परमेश्वर उसमें है। उन्होंने देखा कि परमेश्वर उसके साथ है।

146 इसी प्रकार वे योआब और वे चरित्र दाऊद के साथ एक छोटा बूढ़ा व्यक्ति, परंतु उन्होंने देखा वह मनुष्य उसमें है। उन्होंने देखा कि परमेश्वर उसके अंदर है, और वे जान गए कि किसी दिन वह सामर्थ में आने वाला है। वे... उनमें से एक ने गोलिययत के पांच भाइयों को मारा। एक ने तीन सौ पुरुषों को मारा, जब कुछ स्त्रियां सांझ के खाने के लिए फलियां तोड़ रही थी और सेना जा चुकी थी, और भाला लेकर और तीन सौ फिलिस्तिनियों को मार डाला। चरित्र! क्यों? वे दाऊद के साथ बने रहे, वे जान गए थे कि उस पर अभिषेक था, और वे जान गए थे कि वह सामर्थ में आ रहा था।

147 आज कलीसिया का एक शुद्ध चित्र जो वचन के साथ बनी है! हम जानते हैं यह प्रमाणित होने जा रही है। हम जानते हैं किसी दिन यह सामर्थ में आ रही है। यधपि शाऊल... और वह बाकी राष्ट्रों से भागा हुआ था परंतु वे जान गए थे कि वही सामर्थ में आने वाला था। हम जानते हैं, वह भी सामर्थ में आने जा रहा है, इसलिए हम उस वचन को लेते हैं, और ठीक वहीं डटे रहते हैं, कोई मतलब नहीं कितनी कीमत देनी पड़े। यदि हमें फिलिस्तिनियो काटना पड़े या गड्ढे में कूद कर सिंह को मारना पड़े, जैसा कि एक ने किया था, जो भी है, हम जानते हैं, क्योंकि यही है... इसी प्रकार से परमेश्वर ने इसे डिजाईन किया है। हम चरित्र को देखते हैं।

148 अब आप मुझ से पूछ सकते हैं, "उसकी इस प्रकार की अभिकल्पना के क्यों अनुमति दी गई? " मैं बहुत अधिक समय नहीं लेना चाहता क्योंकि

यहां कहने के लिए मेरे पास बहुत कुछ है। "क्यों," तो प्रश्न उठ सकता है, "परमेश्वर ने क्यों स्त्री को इस प्रकार बनाया? उसको इस प्रकार का होने के लिए क्यों अनुमति दी गई?" यह उसकी अपनी इच्छा के अनुसार है। निश्चय ही।

149 एक मिनट के लिए यदि आप अपनी बाईबल में निकालना चाहे। आईए रोमियो 9 निकाले, एक मिनट आपको कुछ दिखाता हूं, परमेश्वर कैसे चीजों को करता है, यदि आप इसे पढ़ना चाहते हैं। और हम यहां देख सकते हैं परमेश्वर अपनी सुइच्छा के लिए क्या करता है। रोमियो 9:14।

इसलिए हम क्या कहें?

क्या परमेश्वर के यहां अन्याय है?...

150 जब उसने एसाव को चुना, याने याकूब को चुना और एसाव को अस्वीकार किया, इसके पहले दोनों में से किसी को स्वयं में निर्णय लेने का अधिकार मिलता, दोनों में से किसी को; इसके पहले वे जन्म लेते, अपनी मां के गर्भ में ही थे, परमेश्वर ने कहा, "मैंने ऐसाव से घृणा की और मैंने याकूब से प्रेम किया।" समझे? क्यों?

क्योंकि उसने मूसा से कहा, मैं जिस किसी पर दया करना चाहूं, उस पर दया करूंगा और जिस किसी पर कृपा करना चाहूं, उसी पर कृपा करूंगा।

अतः यहां ना तो... चाहनेवालों की ना... दौड़ने वालों की परंतु दया करने वाले परमेश्वर की बात है।

क्योंकि पवित्र शास्त्र में फिरौन से कहा गया, मैंने तुझे इसलिए खड़ा किया है, कि तुझ में अपनी सामर्थ दिखाऊं और मेरे नाम का प्रचार सारी पृथ्वी पर हो।

इसलिए... वह (अब यहां ध्यान दें) ... जिस पर चाहता है दया करता है और जिसे चाहता है उसे कठोर कर देता है।

अत: तू... मुझ से कहेगा वह फिर क्यों दोष लगाता है? हे मनुष्य, भला तू कौन है जो परमेश्वर का सामना करता है?

नहीं, परंतु, ओ मनुष्य, तू कौन है, जो परमेश्वर का सामना करता है? क्या गढ़ी हुई वस्तु गढ़ने वाले से कह सकती है तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया?

क्या कुम्हार को मिट्टी पर अधिकार नहीं कि एक ही लोंदे में से एक बरतन आदर के लिए और दूसरे का अनादर के लिए बनाए?

तो इसमें कौन से आश्चर्य की बात है कि परमेश्वर ने अपना क्रोध दिखाने और अपने सामर्थ प्रगट करने की इच्छा... से क्रोध के बरतनो की जो विनाश के लिए तैयार किए गए थे बड़े धीरज से सही;

... और दया के बरतनों पर, जिन्हें उसने महिमा के लिए तैयार किया, अपने महिमा के धन को प्रगट करने की इच्छा की?

151 थोड़ी देर के लिए इस पर तर्क करें। परमेश्वर यह किया! उसको इसे इसी प्रकार बनाना था। यही होना था। अब जरा पांच मिनटो के लिए सुनें। मैं आपका ध्यान किसी चीज पर लाना चाहता हूं।

152 परमेश्वर क्या है? परमेश्वर एक महान अनंत है। आरंभ में पीछे इसके पहले कि कोई आरंभ था, वह परमेश्वर भी नहीं था। क्या आप यह जानते हैं? *परमेश्वर* "एक आराधना का उद्धेश्य," और वहां उसकी आराधना के लिए कुछ नहीं था। वह अकेला ही जीवित था।

153 और उसमें गुण थे। गुण क्या है? एक विचार। अब आप पाएंगे जो कि आज रात्रि के लिए पाठ का आरंभ होगा। ध्यान दें, वह अपना ही गुण था जो उसमें था। अब यह उसमें था कि पिता हो, यह उसमें था कि परमेश्वर हो, यह उसमें था कि पुत्र हो, यह उसमें था कि बचाने वाला हो, यह उसमें था कि चंगा करने वाला हो। और सारी चीजें यहां उसके गुणों को प्रगट करने के लिए है, कुछ भी क्रम या व्यवस्था से बाहर नहीं। आप सोचते हैं कि परमेश्वर ने आरंभ से अंत को नहीं देखा? निश्चय ही, उसने देखा। कुछ भी क्रम व्यवस्था से बाहर नहीं यह बस उसके गुणों को प्रगट कर रहा है।

154 अब वह *न्यायी* नहीं हो सकता था, और मनुष्य को गिरने के लिए बनाए। उसे, उसे बराबरी के आधार पर रखना था, एक स्वतंत्र आचार का माध्यम, कि अपना निर्णय ले, परंतु यह जानते हुए कि वह गिरेगा।

155 अब, वह बचाने वाला नहीं हो सकता जब तक कुछ नष्ट ना हो। वह एक चंगा करने वाला नहीं हो सकता जब तक कि कुछ बीमार ना हो। यह चीजें इसी प्रकार होनी थी। परमेश्वर ने उसे इसी प्रकार बनाया ताकि उसके महान गुण प्रगट किए जा सकें। यदि यह वहां नहीं था तो वह कभी भी बचाने

वाला नहीं होता। परंतु हम जानते हैं वह था, यहां तक कि इसके पहले कोई समय था, वह एक बचाने वाला था वह एक बचाने वाला था, इसलिए किसी चीज को नष्ट होना था। यह कैसे होने जा रहा था?

156 यदि वह लेता और इसे नष्ट करता, कि उसे बचाने के लिए तो यह उसके न्याय का न्याय नहीं था। वह मनुष्य को नर्क नहीं भेज सकता था और न्यायी रहे। वह कृपालु है, सज्जन, सच्चा, ईमानदार है, और वह एक महान न्यायी है, वह अपने ही विरोध में कार्य कर रहा होगा।

157 इसलिए उसे मनुष्य को यहां बाहर रखना था और उसे स्वतंत्र आचरण माध्यम बनाना था ताकि वह हो, जानते हुए कि गिरेगा; और मनुष्य, उसकी अपनी छवि पर, वहां कैसे गिर सकता था? अब आप दिन का उजियाला देख रहे हैं? इसलिए, उसे एक उप–उत्पाद बनाना था, कुछ जो मूल उत्पत्ति से बाहर हो। अब आप देखते हैं। समझे? आप यहां आते हैं। देखा? तब, यही जो गिरा। उसने यह बनाया यह जानते हुए कि यह गिरेगा। और यह शैतान के हाथ में डाला गया, एक अनादर के पात्र होने को। आज सम्मान कहां अर्पित है? आप इस पर सोचे, अब ध्यान से देखें।

158 तब फिर से, क्यों उसे इस प्रकार से अभिकल्प किया गया और दूसरी मादाओ के समान नहीं क्यों स्त्री का इस प्रकार अभिकल्प किया गया और दूसरी मादाओं को नहीं? कोई और दूसरी मादा को इस प्रकार से अभिकल्प नहीं किया गया, वे नहीं, आज वे नहीं कर सकती। इस प्रकार नहीं बनाई गई वे यह नहीं कर सकती, तो इस मादा को क्यों नहीं ऐसा बनाया, एक स्त्री को, जैसी की दूसरी मादाये, ताकि वह भी वैसी होती, अपने बच्चों का पालन करती? तब वह अपने पति को लेती, और जीवित रहती और जब बालक पाने का समय आता तो अपना बालक पाती। क्यों—क्यों नहीं उसको ऐसा बनाया?

159 मैं इन शब्दों को नहीं कह सकता। और आप समझते हैं कि मैं किस विषय में बात कर रहा हूं क्या आप नहीं जानते? यदि आप समझ सकते हैं तो "आमीन" कहे [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] जी हां समझे? यहां युवा लड़कियां बैठी है, और युवा लड़के। परंतु आप जानते हैं, पशु वर्ष के निश्चित समय पर आते हैं, और उसका जोड़ा, तब बस। परंतु एक स्त्री यह किसी भी समय। और उसने इसे क्यों इस प्रकार बनाया?

160 अब देखिए उसकी महान योजना खुलती है, अब जैसे कि हम इसमें आगे बढ़ते हैं, इतना ही सिद्ध जितना हो सकता है। मुझे यह उस दिन तक नहीं मालूम था।

161 क्यों उसने इसे आरम्भ से इस प्रकार नहीं बनाया, जैसे कि बाकी मादाये? क्योंकि यह उसके लिए घटित नहीं होता, वह सारी शुद्धता का सोता है। यही कारण है, उसने शैतान को इस पर पकड़ बनाने दी थी, उसने इस मिलावट में क्या किया था। ऐसी एक रचना होगी, उसे ऐसा नहीं होने देता, इसके लिए मूल अभिकल्प किया।

162 उसके सारे कार्य जो मूल में उसने अभिकल्प किए अपनी निरंतरता में है, उसके सारे मूल कार्य अपनी निरंतरता में थे। मादा कुत्तियां, नर कुत्ता, देखिए मादा गाय, नर गाय हर चीज निरंतरता में सारी सृष्टि निरंतरता में। बीज मरता और भूमि में जाता है; जैसे कि मृत्यु, गाढ़ा जाना, पुनरुत्थान। जीव रस पेड़ के नीचे चला जाता है, अपनी पत्ति गिराता है, अगले वर्ष पुनरुत्थान के साथ वापस आता है नई पत्ति के साथ, देखिए मेरा क्या अर्थ है? हर चीज यहां तक कि परमेश्वर प्रकृति भी सब निरंतरता में है, एक में और यहां एक परमेश्वर की निरंतरता से हट कर है। प्रकृति को इस प्रकार अभिकल्प किया गया कि वह पाप नहीं कर सकती। सोचिए! मूल रचना, परमेश्वर की पाप नहीं कर सकती।

163 ओह, क्या आप उसे नहीं देखते, इस दृष्य में कलीसिया में मिलावट? मूल तो परमेश्वर का वचन है! परमेश्वर में कोई पाप नहीं! देखिये मेरा क्या अर्थ है? यहां एक सृष्टि है जो दृष्य में मिलावट के द्वारा आई। परमेश्वर एक कलीसिया पाने जा रहा है, परंतु इस मिलावट वाली चीज को देखें, वे उसे यहां पाते हैं।

164 परमेश्वर के पास नर और मादा है, परंतु यह स्त्री देखिए वही लक्षण पीछे यह दर्शाते हैं कि परमेश्वर के मस्तिष्क में क्या था। हम एक या दो घंटा ले सकते थे, और इसका खुलासा करते। स्त्री... इस जीव या प्राणी को इस प्रकार बनाया, उसने जीव बनाया और बदला, उसे बदला ताकि शैतान उस पर अधिकार कर सके और उसने किया, वह अब भी उस पर अधिकार किए हुए हैं। अच्छा हो कि वह क्रूस की ओर भागे जैसे पुरुष भी, ध्यान दें।

165 सारी सृष्टि निरंतरता में चलती है। यदि उसने स्त्री को मूल उसी सृष्टि में बनाया होता, तो वहां पाप नहीं होता, क्योंकि वह इसे नहीं कर सकती होती, वह इसे नहीं कर सकती थी। वह मूल सृष्टि की मिलावट है।

166 इसलिए सारा पाप, मूल सत्य का भ्रष्ट होना! झूठ क्या है? सत्य को भ्रष्ट किया। व्यभिचार क्या है? सही कार्य को भ्रष्ट किया। इसलिए वहां भ्रष्ट किया गया जीव वहां सारी चीज भ्रष्ट हो गई। और समस्त चीज का अक्षर विन्यास पाप s–i–n है, यह ठीक वहीं पर है। इसलिए यह प्रश्न बहुत बड़ा है।

167 केवल एक टुकड़ा, छिलन, जो मनुष्य से बना, उसके द्वारा धोखा दिया; परमेश्वर ने इसे बनाया ठीक यहां पर इसे सिद्ध किया। उसको इसलिए बनाया गया था।

168 एक आचरण रहित स्त्री सबसे गिरी चीज है, जो इस पृथ्वी पर सोची जा सकती है। युवा महिलाये मुझे इसके लिए क्षमा करें, वह मनुष्य कूड़े दान को छोड़ और कुछ नहीं हो सकती कामुकता का प्रदर्शन। वह बस यही है, एक आचरणहीन स्त्री मनुष्य की कामुकता का कूड़े दान, एक दूषित, गंदगी, गिरी हुई गंदगी उसके द्वारा छोड़ी गई। यही जो इस प्रकार से बनाई गई? धोखे के लिए। हर पाप जो कभी पृथ्वी पर हुआ वह एक स्त्री के द्वारा हुआ।

169 अभी शिकागो से एक विवेचना करने वाला, एक—एक स्त्री ने यह लेख लिखा, पुलिस बल की जो उन्होंने संयुक्त राज्य के महानगर संयुक्त राज्य से पता लगाया हर अपराध के पीछे, कि, “निन्यानवे प्रतिशत जो संयुक्त राज्य में किसी भी रूप में हुआ, या, तो उसमें या उसके पीछे स्त्री है।”

170 अब मैं यह कह रहा हूं कि अंत में हम एक चीज को ले सके, ताकि आप देख सके कि मामला क्या है।

171 वह धोखा खाने के लिए बनी, जैसा आरंभ में उसने आदम के साथ किया, उसे बताया कि फल लुभावना था और आदि–आदि उसको धोखा देने के लिए और उसे वचन से हटाने को। आज कलीसिया इस प्रकार करती है, वही चीज।

परंतु फिर, इसके बाद, वह उस पर प्रभुता करने वाला हो गया कि उस पर प्रभुता करें।

172 अब आज के दिन में क्या अंतर है, आज के दिन की अवधारणा में। बजाये कि वह उस पर प्रभुता करें, वह उसका ईश्वर बन गई। निश्चय ही, वह उस पर प्रभुता करती है, अब संभवत: आप अच्छी तरह समझते हैं कि मैं कहां कि ओर संकेत कर रहा था। उसकी सुंदरता के द्वारा और उसकी कामुकता के नियंत्रण के द्वारा, उसका आकार जो उसे शैतान के द्वारा मिला, वह उप–उत्पाद जो शैतान ने किया, उसे परमेश्वर के पुत्रों को धोखा देने के लिए भेजा गया। और वह बहुत सारों को नरक में धकेल सकती है बजाये किसी और दूसरे यंत्र के जो शैतान के पास है। यह बिल्कुल ठीक बात है।

173 मैं आचरणहीन के विषय में बोल रहा हूं, ना कि आप बहने। हम आपको आपका स्थान देंगे, सही स्थान, कुछ मिनटों में यहां परमेश्वर के वचन में, यह आरंभ से परमेश्वर कि योजना में था, आरंभ—आरंभ से।

174 अब आज इसे करने के लिए, संयुक्त राज्य का ईश्वर क्या है? आपको याद होगा वर्षों पहले मैंने इस पर आराधनालय में प्रचार किया था? इस आधुनिक दिन का ईश्वर एक छोटी चंचल, वहां श्रृंगार के साथ बैठी है और उसका वस्त्र घुटनों से ऊपर सरका हुआ और इस प्रकार की चीज, मैंने कहा था, "देखो, तुम्हारा ईश्वर!" और यह ठीक बात है। वह हर विज्ञापन पर अधनंगी है, वह सड़क पर भी उसी प्रकार है।

175 यह आरंभ से ही शैतान का एक यंत्र है, "आरंभ से," यीशु ने कहा। समझे? अब हम इसे ऐसा ही देखते हैं और "आरंभ से" और यही जिसके विषय में वह बात कर रहा है।

176 अब, मूर्तिपूजक उसे ईश्वर बनाया करते थे (क्या आपको यह मालूम है?) एक देवी। निश्चय ही यह किया। उन्होंने उसे देवी बनाया, क्योंकि उन्होंने अपने आराधना में कामुकता का कार्य किया। उन्होंने यह दावा किया, "वह सृष्टिकर्ता थी। उसने बीज को अपने गर्भ में रखा और सृष्टि की।" यह एक झूठ है, केवल एक सृष्टिकर्ता है और वह परमेश्वर है। परंतु आपको स्मरण है वहां पौलूस? "इफिसियों की डायना," पत्थर की एक मूरत, कहा, "स्वर्ग की देवी नीचे फैकी गई।" क्या आप नहीं देखते कि मूर्तिपूजक कैसी आराधना करते हैं?

177 और हम यह नहीं जान रहे हैं, कि वापस सीधे मूर्ति पूजा पर फिरसे घूमे, स्त्रियों पर, इस पृथ्वी पर सबसे जीव, स्त्री पूजा! वह मनुष्य को जैसा

चाहे वैसा घुमा देती है। यह ना जानते हुए कि बाहरी सारी सुंदरता, यह अंदर का नरक है। सुलैमान ने कहा, “उसके, उसके फाटक अधोलोक के फाटक है।”

178 अब हम यहां स्पष्ट रूप से देखते हैं कि यीशु ने प्रकाशित वाक्य में क्या कहा, दूसरा अध्याय 15 वा पद, निकुलाईयो की शिक्षा, वह बढ़ती हुई कलीसिया स्वयं को वचन से दूर कर रही थी।

179 और यहां हम स्पष्ट रीति से यह देख सकते हैं, यह भद्दे, अभक्ति गंदे कार्यक्रम, जो हमारे टेलीविजन पर हॉलीवुड की कामुकता भरी रानियां। हम इस नगर की गंदगी देखते हैं और यह बालक छोटी–छोटी लड़कियां इधर–उधर सड़क घूमती फिर रही है, उन कसे हुए वस्त्रों के साथ मटकती फिर रही है और इतनी ठंड कि मरने के लिए जमा दे। वे नहीं जानती कि यह शैतान यह कर रहा है। वे प्रेत आत्मा से ग्रस्त है, और नहीं जानती! आप कुत्तियां को यह करते नहीं देखते, क्या आपने देखा? आप किसी भी मादा को यह करते हुए नहीं देखते, और कोई भी भला नर ना ही उनके पास जाता है।

180 देखिए, अब आपको चित्र समझ में आता है? प्रभु चाहेगा, तो कुछ ही क्षण में हम किसी चीज से परिचित करेंगे।

अब आप निकुलाइयों को देखते हैं, आप उनकी शिक्षा को देखते हैं।

181 आप अल्प व्यस्क रानियों को देखते हैं, जो वे उन्हें पुकारते हैं, ये सड़कों पर अधनंगी। एक ओर उस भद्दे कार्यक्रम जाया करते हैं उन अध नगों को। जरा अपनी आंखे खोलो सड़कों पर देखो अब बस आपको इतना करना है, सब कुछ नंगापन है। निश्चय ही। वे इसके लिए क्या करते हैं? तरसाने ललचाने के लिए, केवल यही जो वह कर सकती है। वह यह इसलिए करती है क्योंकि वह गंदी है। वह यह इसलिए करती है क्योंकि वह ऐसी ही बनी है। वह यह अनुभव नहीं करती कि वह शैतान के हाथों उसका यंत्र है, और वह यही है।

182 यहां तक कि आज हमारे विद्यालयों में वे यौन क्रियाये सिखा रहे हैं। स्त्री पूजा का सड़ा हुआ संसार! मैं जानता हूं वे इसका विश्वास नहीं करना चाहते। खड़े होकर आराधना के गीत गाते हैं और आदि–आदि, एक दिन और इस स्त्री के संग सारी रात इधर–उधर भागते फिरते हैं। समझे? ठीक

है। जब कि परमेश्वर की दृष्टि में वचन, वह सारे जानवरो में, जो पृथ्वी पर है सबसे नीच है। ध्यान दें।

183 इसी कारण परमेश्वर ने उसे अपना वचन प्रचार करने से रोका। यह ठीक बात है। पहला तीमुथियुस 2: 9–15, "और मैं कहता हूं कि स्त्री ना उपदेश करें और ना पुरुष पर आज्ञा चलाये।" समझे? और पहला कुरिन्थियों 14:34, "स्त्रियां कलीसिया की सभा में शांत रहें, क्योंकि उसे बोलने की आज्ञा नहीं उन्हें शांत रहने कि आज्ञा है; जैसा व्यवस्था में भी लिखा है।" परंतु आज, कलीसिया क्या करती है वे उसे पास्टर बनाते हैं प्रचारक जब की बाईबल यह पूरी रिती से मना करती है। और बाईबल ने कहा, "जैसा व्यवस्था ने भी कहा है," इसे निरंतरता में चला रहा है सारे मामले को।

184 जैसे कि पिछली रात्रि मेम्ना था, आराधना का मात्र स्थान, मेम्ने के लहू के नीचे। आज केवल यही स्थान है, मसीह में। आपके पास केवल एक ही मार्ग कि उसके पास आये आराधना का केवल एक स्थान। यह सदा इसी प्रकार था। लहू के नीचे ही आराधना का केवल एक स्थान।

185 इसलिए अब हम सारे दृष्य को अब खुलता हुआ देखते हैं वह वही है। इसी कारण परमेश्वर ने उसे सिखाने नहीं दिया, उसे कलीसिया में कुछ नहीं करने दिया, केवल ढके हुए मुख के साथ बैठे।

186 अब क्या आप देख सकते हैं क्यों मैंने यह बातें कहीं और वे चीजे कि जो मैंने की, बहन, भाइयो मैं अपने ह्रदय में इन सब बातों को जानता था? बहनों, मैं जानता हूं मैं... आपका अपना स्थान है (एक मिनट) और वह शानदार चरित्र जो परमेश्वर ने आप में ढाला है। परंतु मैं दूसरी ओर बोलने का यत्न ना कर रहा हूं, यह दर्शाने को वास्तव में आप कहां से हैं, "आरंभ में।" यीशु ने हमें बताया "वापस आरंभ में जाओ," इसे ढूंढने के लिए। यही जो हम कर रहे हैं।

187 अब मुझे इसके महत्वपूर्ण बिंदुओं के हिस्सों पर जोर देना था। और मैं आशा करता हूं कि आप इसे समझते हैं, और आप लोग जो इस टेप को सुनेंगे, मैं आशा करता हूं आप समझते हैं। जरा पीछे जाये। यह केवल यह दर्शाने को कि यीशु ने कहा, "वापस आरंभ में जाओ और ढूंढो।" सारी चीजें, वापस आरंभ में जाओ। क्या आप आज देख सकते हैं।

188 क्यों, वे लोग कहते हैं, कि मैं स्त्रियों से घृणा करता हूं, यह सच्चाई से दूर है, मैं नहीं करता। वे कहते हैं, "एक स्त्री से घृणा करने वाला।" स्मरण रखे, वे पौलूस को स्त्री से घृणा करने वाला कहते थे। अधिक समय नहीं हुआ, एक महिला सेवक ने कहा, "ओह, आप पुराने पौलुस के समान है, उसे कुल मिलाकर यह करना था कि हम औरतों को ले।"

189 परमेश्वर का एक संत, जिसे बाईबल लिखने की अनुमति दी गई, नया नियम, और उसके वचनों पर विवाद करें? उसने कहा, "यदि स्वर्ग से कोई दूत इसे छोड़ कुछ और सिवाये जो मैंने कहा, वह श्रापित हो," उन स्त्री प्रचारकों को छोड़ दें।

190 उन्होंने कहा एलिय्याह स्त्रियों से घृणा करने वाला था। वह स्त्रियों से घृणा करने वाला नहीं था। वास्तविक स्त्रियों से उसने ईजाबेलो को पसंद नहीं किया।

191 और यदि यह ऐसा है तो परमेश्वर को वैसा उसी प्रकार ही होना चाहिये, क्योंकि वह वचन है जो भविष्यव्यक्ताओं के पास आता है। इसलिए ये परमेश्वर उसी प्रकार ही होना चाहिये, इसलिए देखिए वह "आरंभ से," मूल सृष्टी को जानता है, उसने कहा, "आरंभ से।" जिनके पास वचन आया वे भविष्यव्यक्ता थे।

192 उसने उसे पुरुष के लिए बनाया और पुरुष को स्त्री के लिए नहीं। क्या आपको यह मालूम है कि, "स्त्री पुरुष के लिए बनाई गई थी और पुरुष स्त्री के लिए नही"? कितने यह बात जानते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] बाईबल यह सिखाती है। ठीक है। परंतु गिरावट के बाद, स्त्री को पुरुष में स्थान दिया गया था, गिरावट के पहले, सारी सृष्टि के ऊपर बराबर। परंतु गिरावट के "बाद" अब यहां हमारा विषय आता है। परंतु गिरावट के "बाद" वह उसका शासक था, उसे हर मामले में शांत रहना चाहिये, अब मूल आरंभ होने के बाद।

193 यीशु ने कहा, "आरम्भ से ऐसा नहीं था।" ये जब समय आरंभ हुआ, जब परमेश्वर ने पहले इसे अपनी मूल सृष्टी में बनाया, वे सब जो समझते हैं, फिर "आमीन" कहे। [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] आरंभ में परमेश्वर ने एक पुरुष और एक स्त्री की सृष्टि की। परंतु तब स्त्री को पशुओं से भिन्न बनाया, सारे दूसरे पशुओं से, धोखे के लिए। अब ध्यान दें, "आरंभ में यह ऐसा नहीं था।" वह बनाई गई थी, यदि वह अपनी मूल स्थिति में

बनी रहती तो वह कभी नहीं गिरी होती। परंतु वह गिरावट का कारण हुई, और विघ्न जिससे परमेश्वर की सारी निरंतरता टूट गई, और इस पृथ्वी पर मृत्यु, दु:ख और हर चीज आ पड़ी। वह इसी प्रकार बनी थी।

194 अब ध्यान दें। अब *बाद में* आरंभ के, आरंभ के *बाद*, समय आरंभ होने के *बाद*; वहां पीछे जो अनंत थी, समाप्त हो गई। ध्यान दे, हवा के द्वारा जो आई उसके बाद, गिरावट के बाद वहां इस बात की आवश्यकता थी कि दूसरी वाचा बांधी जाये। अब यह आपको ठोकर खिलाने जा रहा है, परंतु मैं आपको यह सिद्ध करने के लिए कि यह सत्य है वचन देने जा रहा हूं। अब ध्यान दें, गिरावट के बाद यीशु ने कहा... परमेश्वर, आरंभ में एक ही प्रकार बनाया; परंतु अब गिरावट के बाद अब इसके आगे जा रहे हैं। वाचा बराबर की थी; परंतु अब, गिरावट के बाद, एक और वाचा बांधी गई। अब उसके संग शासक नहीं थी, दोनों की अलग–अलग वाचा होने चाहिये थी।

195 अब जरा देखते हैं यदि यह ठीक है। उत्पत्ति 3 को लेते हैं और देखते हैं, यदि यह ठीक है, अब जैसे कि हम आगे चल रहे हैं, क्योंकि हम इन सारी बातों में सकारात्मक होना चाहते, वह बिल्कुल सत्य पर सिखाए और लाए गए हैं। ताकि ठीक यहां हमारे पास थोड़ा समय हो, क्योंकि हम अंत से अधिक दूर नहीं है, विषय के अंतिम भाग को पा ले यह दर्शाने को की तलाक के विषय में *क्यों* और *क्या* है और आदि–आदि। अब उत्पत्ति के तीसरे अध्याय में और अब हम तीसरे से आरंभ करेंगे और 16 वां पद। आइए 14वें से आरंभ करें।

> *तब यहोवा... परमेश्वर ने सर्प से कहा* (अब वह इसे श्रापित करने जा रहे हैं) *तूने जो—तूने जो यह किया है, इसलिए तू सब घरेलू पशुओं; और सब पशुओं से अधिक शापित है, तू पेट के बल चला करेगा, और जीवन भर मिट्टी चाटता रहेगा:*
>
> *और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में और तेरे वंश और इसके वंश के बीच में उत्पन्न करूंगा, वह तेरे सिर को कुचल डालेगा और तू उसकी एड़ी को डसेगा* (प्रतिज्ञा हो रही है, मसीहा बचाने के लिए "स्त्री के द्वारा" आ रहा है)
>
> *फिर स्त्री से उसने कहा...*

196 अब देखिए, अब वहां सर के साथ एक वाचा है। जो कि वे पहले ठीक थे, आरंभ में, या आरंभ से पहले।

> *स्त्री से उसने कहा, मैं तेरी पीढा और तेरे गर्भवती होने के दुःख को बहुत बढाऊंगा; तू पीड़ित होकर बालक उत्पन्न करेगी; तेरी लालसा तेरे पति की ओर होगी, और वह तुझ पर प्रभुता करेगा,* (अब वह बिल्कुल भी बराबर की नहीं रही।)

197 अब उसे पलट दिया गया और वह स्त्री शासक है।

> *और आदम से उसने कहा, तूने जो अपनी पत्नी की बात सुनी और जिस वृक्ष के फल के विषय मैंने तुझे आज्ञा दी थी कि तू उसे ना खाना उसको तू ने खाया... ; इसलिए भूमि तेरे कारण शापित है* (अब आदम को श्रापित नहीं किया) *तेरे कारण भूमि शापित है तू उसकी उपज जीवन भर दुःख के साथ खाया करेगा;*
>
> *और... वह तेरे लिए कांटे और ऊंट कटारे उगाएगी और तू खंत कि उपज खाएगा;*
>
> *और अपने माथे के पसीने की रोटी खाया करेगा और अंत में मिट्टी में मिल जायेगा; क्योंकि तू उसी में—में से निकाला गया है तू मिट्टी ही तो है और मिट्टी ही में फिर मिल जायेगा।*

198 दो वाचाये। अब "आरंभ" समाप्त हो गया जो यीशु ने कहा, "आरंभ में ऐसा नहीं था।" अब हमारे पास दूसरी वाचा है। ध्यान दें यह दूसरी वाचा है। अब वहां उत्पाद और उप–उत्पाद के लिए वाचा है। ध्यान दें, गिरावट सृष्टी के हर जीव के लिए परेशानी, मृत्यु को लेकर आयी, सारी सृष्टी में भिन्नता हो गई। अब आईये ध्यान दें इस विषय में यीशु ने क्या कहा, "आरंभ से ऐसा नहीं था।" अब यह ऐसा नहीं है "वहां से," अब ये यह आरंभ के "बाद में।" अब वहां दो वाचा।

199 पहली बस एक वाचा थी, आदम और हवा बराबर थे, एक पुरुष और एक स्त्री। अब स्त्री ने किया और (वह क्या करती है?) वह उन सब को मृत्यु में धकेल देती है, और इसके द्वारा परमेश्वर को वाचा बांधनी पड़ी दूसरी वाचा। ये ठीक यहां है उत्पत्ति 3:16 उसने दूसरी वाचा बांधी।

200 अब संसार की जन संख्या फिर बढ़ानी थी, परमेश्वर की मूल सृष्टी के द्वारा नहीं, जैसे कि आरंभ में, मूल सृष्टी के द्वारा नहीं, परंतु काम इच्छा के

द्वारा। अब यह “आरंभ” की चिंता करता है, क्या नहीं करता? आरंभ में वहां केवल एक पुरुष और एक स्त्री थी, एक नर और एक नारी; परंतु जब उसने यह रेखा पार कर दी और इस पाप को लायी, अब संसार को फिर बसाना था, काम इच्छा के द्वारा, ना कि सृष्टी के द्वारा; कामुकता के द्वारा। देखिए अब स्त्री कहां पर है अब? परंतु अब यही रीति है जिसके द्वारा आज संसार बसा, स्त्रियों के द्वारा।

201 इसी कारण यीशु को स्त्री के द्वारा आना पड़ा कि इसे मूल आरम्भ पर फिर से लाए, बिना काम वासना के द्वारा वह कुंवारी से उत्पन्न हुआ। परंतु, हाल्लेलुय्या एक समय आयेगा जहां काम वासना और ना होगी, परंतु परमेश्वर अपने बालकों को भूमि की मिट्टी से बुला लेगा, वापस जैसे वे मूल में थे, किसी स्त्री के द्वारा नहीं परंतु मिट्टी के ढाले जाने और कॉसमिक अंतरिक्ष उजियालो से होते हुए, और पेट्रोलियम, वह फिर से सृष्टि करेगा जैसे उसने आदम की पहली बार की। यीशु ने यह संभव किया, परमेश्वर ने स्वयं को मनुष्य बनाने के द्वारा और संसार में आया ताकि वह मर सके इस स्त्री द्वारा। अब यह पाप के द्वारा परीक्षा का समय है।

202 अब, तब आप देखते हैं, “बाद में” आरंभ के यह कुछ और या जो प्रस्तुत किया गया। अब यह आपको भटका देगा। क्या आप थक गए? [सभा कहती है “नहीं।”—सम्पा।] थोड़ा शांत बैठे थोड़ी देर और।

203 तब जब पुरुष और स्त्री के द्वारा दोहरी वाचा बांधी गई काम वासना से होते हुए, अलग से दूसरी वाचा (मूल वाचा नहीं, परंतु दूसरी वाचा), अब क्या प्रस्तुत किया गया? बहु विवाह सब में। तब, आरंभ के पश्चात बहू विवाह प्रस्तुत किया गया मनुष्य और पशु दोनों में, आरंभ के बाद गिरावट। अब परमेश्वर दूसरे में नया स्वभाव फिर से तय करता है काम वासना के द्वारा, परमेश्वर ने पहला बिना काम इच्छा के द्वारा सिरजा, क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा “आमीन” कहती है।—सम्पा।] अब यह दूसरी वाचा प्रकृति के साथ उसने इसे दूसरे क्रम में तय किया काम इच्छा के द्वारा। दूसरी वाचा: एक नर बहुत सारी मादाये; एक नर हिरन, हिरनियो का सारा झुंड। क्या यह ठीक बात है? एक सांड, सारी गायों का पूरा झुंड, एक मुर्गा आंगन भरी मुर्गियां, क्या यह ठीक बात है? एक दाऊद, उसका अपना मन पसंद, पांच सौ पत्नियों के साथ उसके सौ बालक उत्पन्न हुए एक वर्ष में विभिन्न स्त्रियों के द्वारा, एक मनुष्य परमेश्वर का अपना मन पसंद। एक

सुलेमान एक हज़ार पत्नियों के साथ। परंतु अब ध्यान दें, आरंभ में ऐसा नहीं था परंतु अब यह “बाद” में है आरंभ। स्त्री ने यह किया तब वह वह हो गयी जो वह अब है। समझे?

204 दाऊद, राजा जो मसीह का प्रतिनिधित्व करता है! इसे अपने मस्तिष्क में रखें, दाऊद मसीह का प्रतिनिधित्व। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा “आमीन” कहती है—सम्पा।] मसीह... अपने सिंहासन पर बैठने जा रहा है और यह दाऊद एक पुरुष परमेश्वर के अपना मनपसंद, पांच सौ पत्नियां थी। देखिए मेरा क्या अर्थ है? दाऊद अपनी पांच सौ पत्नियों के साथ सुलेमान अपनी हजार पत्नियों के साथ। स्वभाव से सुलेमान दाऊद का पुत्र है, जो कि यीशु मसीह का प्रतिनिधित्व करता है आत्मिक में दाऊद का पुत्र। परंतु यह स्वाभाविक काम इच्छा का जीवन। यह आत्मिक होने जा रहा है, सृष्टी किया हुआ, क्यों, सिरजा हुआ। देखिए? आरंभ में, यह इसी प्रकार था, परंतु अब इस जीवन में नहीं जिसमें अब हम जीते हैं।

205 ध्यान दें, अब इस पर ना चूके, इसे अपने हृदय के अंदर उतार ले। परंतु वे स्त्रियां एक और पति नहीं कर सकती। वह मूल सृष्टी है, स्त्री नहीं। वे स्त्रियां और दूसरा पति नहीं कर सकती, परंतु वह एक पति हजार से पत्नियां कर सकता है। यह **यहोवा यों कहता है**। यह बाईबल है। अब मैं वापस चला गया, अपना समय लिया और आपको सामने दिखाया कि यह कहां से आरंभ हुआ, यीशु ने क्या कहा। अब क्या आप इसे स्पष्ट देखते हैं? वे कर सकते हैं जितनी...

206 “ओह,” आप कहते हैं, “यह केवल इस्राएल के लिए था।” क्या यह?

207 जब अब्राहम सारा को फिलिस्तीन देश ले गया, वहां अबिमेलेक नाम का एक राजा था और साराह सौ वर्ष की थी, ठीक यही, परंतु वह एक युवा स्त्री में बदल चुकी थी और सुंदर हो गई थी। क्या आप यह जानते हैं? [सभा “आमीन” कहती है।—सम्पा।] ठीक है। और अबीमेलेक अपने लिए एक पत्नी ढूंढ रहा था, आपको इस पर मेरा संदेश याद है? अबीमेलेक साराह को अपनी पत्नी बनाना चाहता था संभवत उसके पास जनान खाना था, परंतु वह उसे नहीं ले सकता था यदि वह अब्राहम की विवाहित थी। इसलिए अब्राहम ने साराह से कहा, “तू यह कहना कि ‘तू मेरा भाई है’ क्योंकि वह मुझे मार डालेगा ताकि वह तुझे ले सके।” क्यों नहीं वह केवल अब्राहम को देश से बाहर खदेड़ देता और उसकी पत्नी को लेता और चलता रहता?

यह व्यवस्था केवल विश्वासीयो के ही साथ नहीं, परंतु सृष्टी में सारे लोगों के साथ है। पापी या एक संत, इन कार्यों के लिए आप एक अंतर दायी मनुष्य है। वहां एक मूर्ति पूजक राजा कितने जानते हैं कि यह कहानी सत्य है? ["आमीन।"] यह बाईबल है उत्पत्ति का लगभग 16 वां अध्याय, मैं सोचता हूं।

208 आप ध्यान दें, अबीमेलेक उसे अपनी पत्नी होने के लिए ले लेता। उसने स्वयं में तय किया कि इस नई इब्रानी लड़की को ले। और उसने कहा, "यह मेरा... " वह बोली, "यह मेरा भाई है।"

उसने कहा, "यह मेरी बहन है।"

209 और अबीमेलेक ने कहा, "तो फिर मैं इसे अपनी पत्नी होने के लिए ले लेता हूं।" क्या आप कल्पना कर सके एक मनुष्य इस प्रकार की बाते कर रहा है? परंतु उसने यह किया।

210 और फिर उस रात्रि, जब वह सोने के लिए गया तो प्रभु उस पर स्वप्न में प्रगट हुआ और कहा, "अबीमेलेक, तू मरे हुए मनुष्य के समान है।" वह उस यहूदी लहू की उस धार को बचा रहा था, आप समझे। उसने कहा, "तू एक मरे हुए मनुष्य के समान है। जो विवाह तूने करने को ठाना है, तूने दूसरे मनुष्य की पत्नी को लिया है।"

211 उसने कहा, "प्रभु आप मेरे ह्रदय की सत्यनिष्ठा को जानते हैं।" कहा, "क्या उसने मुझ से नहीं कहा कि वह उसका 'भाई' है? क्या उसने स्वयं नहीं कहा, कि, 'वह मेरी बहन है'? "

212 उसने कहा, "मैं तेरे ह्रदय है कि सत्यनिष्ठा को जानता हूं, इसी कारण मैंने तुझे अपने विरुद्ध पाप करने की अनुमति नहीं दी।" क्या यह ठीक बात है? कहा, "उसकी पत्नी वापस कर दे, क्योंकि वह मेरा भविष्यव्यक्ता है। और जब तक तू उसकी पत्नी को नहीं लौटायेगा... और वह तेरे लिए प्रार्थना करें, तेरा याजक नहीं यदि वह तेरे लिए प्रार्थना ना करें, तो तेरा सारा राष्ट्र नष्ट हो गया।" आमीन। एक आश्चर्यजनक अनुग्रह है। ठीक है। "तेरा सारा राष्ट्र गया। यह उस पुरुष की स्त्री है और वह मेरा भविष्यव्यक्ता है।" आमीन। यह **यहोवा यों कहता है,** है। यह वचन है। ठीक है।

213 अब हम पाते हैं मृत्यु का कारण हुई, मृत्यु स्त्री के पाप का कारण है, स्त्री के द्वारा आयी, और पुरुष नहीं। उसके जीवन के जीने के द्वारा और उसके द्वारा, सारी मृत्यु आती है। उसके जीवन देने की विधि मृत्यु

है। कितने यह बात जानते हैं? अय्यूब 14, यदि आप वचन को लिखना चाहते हैं।

214 मेरे पास है, यदि आप इस पर प्रश्न करते हैं, तो मैंने वचन लिखा हुआ है इसके हर छोटी चीज के लिए।

215 यदि आप अय्यूब 14 पढ़ना चाहते हैं, यह कहता है, "मनुष्य जो स्त्री से उत्पन्न होता है वह थोड़े दिनों का होता है और दुःख से भरा।" क्या यह ठीक बात है? "वह फूल के समान खिलता वह काटा जाता और नष्ट होता है," और आदि–आदि। समझे? हर मनुष्य जो स्त्री से उत्पन्न होता वह मृत्यु में जन्मता है, जैसे ही वह आता है।

216 परंतु जब वह परमेश्वर की सृष्टी में जन्म लेता है, वह नहीं मर सकता; वह दूसरे वृक्ष से है जो अदन वाटिका में था, मसीह। अनंत जीवन वृक्ष के द्वारा आता है।

217 "ओह," आप कहते हैं, "वह एक वृक्ष थी?" निश्चय ही। "अच्छा उन्होंने कहा, 'तू इस पेड़ से ना खाना।' परमेश्वर ने कहा, वहां पीछे उत्पत्ति में, 'तू इस वृक्ष में से ना खाना।'"

218 क्यो, स्त्री एक वृक्ष है। वह फल का वृक्ष है। आप अपनी माता का फल है। आप गर्भ का फल है। यह ठीक बात है। और फिर जीवन के वृक्ष का फल जो कि अदन की वाटिका में था, मसीह है, स्त्री के द्वारा मृत्यु आती है; मनुष्य के द्वारा सृष्टी में जीवन आता है। स्त्री से जन्म लेना मृत्यु है; मसीह से जन्म लेना जीवन है। विचार समझे? यही जहां, अब आप देखते हैं, देविया कहां चली गई, क्या नहीं देखते?

219 पहला आदम और हवा दूसरे आदम और हवा का प्रतीक है, गुणन को देखते हैं। अब आदम और हवा का बढ़ना कामुकता के द्वारा है, कि पृथ्वी पर बढे, परंतु आरंभ में ऐसा नहीं था। परमेश्वर ने बस नर और नारी बनाये, जैसे उसने दूसरी सृष्टी की देखिए, वैध, जैसे कि कलीसिया।

220 अब आइए, परमेश्वर प्रमाणित हुए इस सत्य को सामने रखते हुए, थोड़ा और आगे खोज करें, यदि आप चाहें तो। [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] ठीक है। अब हो सकता है कि यह आपको थोडा आघात पहुंचाये, जब तक कि हम इसकी तह में पहुंचे, परन्तु मैं आपको इसका सत्य दिखाने जा रहा हूं।

221 कोई भी याजक विधवा से विवाह नहीं कर सकता। क्या आप यह जानते हैं? आप इसे पढ़ना चाहते हैं? ठीक है, आप इसे लैव्यव्यवस्था में पाते हैं, लैव्यव्यवस्था 21:7 और यहेजकेल 44:22, और यह आपको दिखाएगा कि यादव पद मनुष्य के द्वारा छुयी हुयी किसी स्त्री से ब्याह नहीं करेगा। यह यीशु मसीह की कुंवारी दुल्हन का प्रतीक है, क्योंकि वे परमेश्वर कि आग से व्यवहार करते हैं, याजक करते हैं, हारून के पुत्र। हमारे पास यह सब पढ़ने के लिए समय नहीं है, और दोपहर तक निकलना है, अभी हमारे पास बीस मिनट है। और वे हारुन के पुत्र थे जो परमेश्वर की आग से व्यवहार करते हैं, इसलिए वे किसी स्त्री से विवाह ना कर सके, जिसको किसी दूसरे पुरुष ने छुआ हो, ना बदलने वाले परमेश्वर ने ऐसा कहा है। वे किसी दूसरी स्त्री से विवाह नहीं कर सकते, जिसे दूसरे पुरुष में छुआ हो, यहां एक प्रतीक में दर्शाया है, यदि आप यह देखना चाहते हैं, तो जीवते परमेश्वर की कलीसिया शुद्ध, बिना व्यभिचार, परमेश्वर का वचन, और नामधारी नहीं जिसे मनुष्य के द्वारा चलाया गया हो।

222 ध्यान दें, हम इसे यहां पढ़े मैं चाहता हूं कि आप इसे ढूंढ ले। मत्ती 5, यीशु ने यहां कुछ विशेष कहा है जो कि बहुत आवश्यक है। हम इसे देखना चाहते हैं मत्ती 5। मैंने इसे लिखा है…

223 मैंने कुछ चीजों पर निशान लगाया है, मैं यह… मनुष्य से कहने जा रहा था, इसलिए कहने को थोड़ा समय छोड़ दिया ठीक अपनी बहनों के सामने। परंतु मैं बाहर जाना चाहता हूं इसके पहले…

224 अब, बहन, मैं आपको वहां रखना चाहता हूं, जहां परमेश्वर के वचन ने आप से प्रतिज्ञा की है, और आप देखे, और आप उस स्थान पर बनी भी रहे।

225 मत्ती 5:32। मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें कि इस विचार का समर्थन करें "एक" और "बहुत।" मत्ती, 30… मैं सोचता हूं, यह मत्ती 5:32, 31 से आरंभ करें।

यह भी कहा गया था जो कोई अपने पत्नी को तलाक देना चाहे, तो उसे त्याग पत्र दे:

226 यह यीशु बोल रहा है जिसने कहा, "आरंभ से।" अब ध्यान दें।

परंतु मैं तुमसे यह कहता हूं, कि जो कोई अपने पत्नी को… व्यभिचार के सिवाये किसी और कारण तलाक दे;… (देखिए)

> *जो कोई अपने पत्नी को... व्यभिचार के सिवा तलाक दे* (क्यों? वह फिर विवाह करेगी।) *और जो कोई उसे ब्याहे जिसे तलाक दिया गया व्यभिचार करता है।*

227 देखिए, उसके पास जीवित पति है, इसलिए कोई पुरुष उससे विवाह नहीं कर सकता मतलब नहीं, वह क्या करती है, और वह कौन है, उसका पति जीवित है, उसके पास कोई आधार नहीं है। परंतु यह उसके लिए नहीं है, "स्त्री कारण है," पुरुष नहीं। समझे? आपको वचन निरंतरता में चलाना है। देखिए, वह नहीं कर सकता, इसके लिए कुछ नहीं कहा, परंतु वह नहीं कर सकती। देखिए, "वह कारण है" पुरुष नहीं। बाईबल ठीक यही कहती है, "वह स्त्री कारण है।" यह पुरुष के विरोध में नहीं कहा गया कि फिर विवाह करें। परंतु "स्त्री के लिए।" क्यों? मसीह प्रतीक है।

228 ध्यान दें, यह कहा गया कि वह फिर से विवाह नहीं कर सकता, केवल कुंवारी से। वह फिर से विवाह कर सकता है, वह सकता है... वह फिर विवाह कर सकता है, यदि वह कुंवारी है, परंतु वह किसी और की स्त्री से विवाह नहीं कर सकता। वास्तव में नहीं। और यदि वह तलाक हुई स्त्री से विवाह करता है, तो वह व्यभिचार में जी रहा है। मैं चिंता नहीं करता, वह कौन है। बाईबल ने कहा, "जो कोई उससे विवाह करता है जो छोड़ी हुई है, तो व्यभिचार में जीता है।" आप वही है, नहीं, कोई तलाक वाली नहीं।

229 देखिए वह मूल बात फिर आ गई, "आरंभ से," अब? फिर विवाह कर रहा है अब ध्यान, वह सकता है, परंतु वह नहीं कर सकती। जैसे दाऊद, जैसे सुलेमान, जैसे सारी बाईबल की निरंतरता है, अब, वैसे ही जैसे दाऊद और वह सब बाकी।

230 अब आप पहले कुरिन्थियों 7:10 में ध्यान दें, पौलुस पत्नियों को आदेश देता है जो, जिसने अपने पति को तलाक दे दिया, वह अकेली रहे या फिर से मिल कर ले, दुबारा विवाह नहीं। उसे अकेले ही रहना होगा या फिर अपने पति से फिर मेल कर ले, वह फिर विवाह नहीं कर सकती। उसे अकेले ही रहना है, परंतु ध्यान दें उसने पुरुष के लिए कभी नहीं कहा। देखिए, आप वचन को झूठा नहीं बना सकते। "आरंभ से," कामुकता का विधान बहु विवाह के द्वारा। अब परमेश्वर का वचन सच्चाई में, परमेश्वर के स्वभाव के साथ आगे चलता है, निरंतरता में।

231 देखिए कैसे एक विद्यालय पूर्व में गया, और इस पर दूसरा वाला पश्चिम चला गया? आपको सच्चाई पर वापस आना है, यह ढूंढने के लिए कि यह क्या है।

232 यह सदा इसी प्रकार रहा है परमेश्वर के संग आरंभ से यह निरंतर वाचा रही है। *पहले*, आरंभ के पहले, आरंभ से वह एक और एक था। पाप के आने के *बाद*, तब वहां एक पुरुष और स्त्रियों का झुंड; प्रकृति में इस प्रकार चलता है, हर पशु और मनुष्य जाति और स्वाभाविक शरीर पशु है। हम स्तनधारी है, हम यह जानते हैं, हम सब, और यह परमेश्वर का स्वभाव निरंतरता में है।

233 परंतु अब मोहरे खुल चुकी है, सच्चाई के आत्मा ने हमारा निर्देशन वचन की ओर किया। जो यह स्पष्ट करता है क्यों युगो में होते हुए यह गलतियां हुई, क्योंकि मोहरे नहीं खुली थी। यह प्रगट नहीं किया गया था। यह सत्य है।

234 ध्यान दें, आप प्रतीकों को असफल नहीं कर सकते। जैसा कि मैंने गत रात्रि प्रचार किया था इस फर्श पर परछाईयों के विषय में इसे ठीक ही आना है। कैसे एक हाथी की परछाई हो सकती है, जो समतल पर आ रही हो, और एक छोटा पतला व्यक्ति निकल कर आये कि हाथी हो या हाथी, एक छोटे दुबले–पतले मनुष्य में?

235 अब यदि आप इसको बिंदु प्रतीक में ध्यान दें।

236 अब वहां एक सच्ची स्त्री है, एक सच्ची स्त्री, कुंवारी जो अपने पति से विवाह करती है और जीती है, और वह उस पुरुष के लिए धन्य जीत है। यदि परमेश्वर अपने पुत्र को कोई अच्छी चीज देता, एक पत्नी से तो वह उसे वहीं देता।

237 परंतु यौन क्रिया के लिए उसका ढांचा बनाया है, और कोई दूसरा पशु का ढांचा इस प्रकार का नहीं है। पृथ्वी पर और कोई जीव इस प्रकार से अभिकल्प नहीं किया गया। यही कारण है कि बहुविवाह देखते हैं। इसी कारण से यही जो इसे अंदर लाया

238 अब देखिए, निर्णायक विश्लेषण में देखिए, एक यीशु मसीह है (क्या ठीक बात है?) एक पुरुष, परमेश्वर, इम्मेनुएल। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? परंतु स्मरण रखें उसकी बहुत सारी पत्नी हजारों हजार (क्या यह ठीक बात है?) उसकी पत्नी, दुल्हन, कलीसिया। अब आप समझते हैं?

239 इसी कारण उसने आदम से कहा, इसके पहले कभी कामुकता से परिचय हुए, “फूलों फलो पृथ्वी को भर दो,” जब की वह कभी आरंभ में था, जब वह अभी दोनों नर और नारी स्वयं में था। यह ये दर्शाता है कि दुल्हन को वचन में से आना है, उस आत्मिक फलने फूलने से, देखिए, कि पृथ्वी को भर दे।

240 अब यौन क्रिया में, देखिए विद्यालय दो बातों में मिश्रित है। इसलिए आप यह नहीं कर सकते आपको इसे इसके सत्य पर लाना ही है, “आरंभ में”

241 और अंत में एक प्रभु यीशु होगा, और उसकी दुल्हन बहुत सी एक वचन आप समझे? सिंहासन पर एक दाऊद था, एक राजा (परमेश्वर के अपने ह्रदय के अनुसार) पांच सौ पत्नियों के साथ। यीशु अपने सिंहासन पर बैठा है (हाल्लेलुय्या!) सहस्त्रशताब्दी में, एक पत्नी के साथ; जैसा यह आरंभ में था, पृथ्वी में से उत्पन्न की गई सर्वशक्तिमान परमेश्वर के हाथों के द्वारा, पुनरुत्थान में बहुत सारे सदस्यों से। आप वहीं पर है।

242 स्त्रियों, वह होने को संघर्ष करें मसीह में आये तब आप उस गंदगी में वहां नहीं होंगे। परंतु जब तक आप कलीसिया के सदस्य, स्वच्छ आचरण से जीने का यत्न कर रहे हैं, स्वयं में, आप इसे कभी नहीं बनायेंगे। ना ही पुरुष इसे मसीह से बाहर बना सकता है। जैसे कि आगे पौलुस कहता है, “परंतु वे मसीह में है तो वहां ना कोई नर ना नारी है।” वे सब एक है।

243 परंतु इस *विवाह और तलाक* को सही करते हुए, ताकि आप जान ले कि क्या सही और गलत था, अब वह इन प्रतीकों में स्पष्ट दर्शाता है। एक मसीह है और उस पत्नी के बहुत सारे सदस्य। ध्यान दें, वह हमें आत्मिक व्यभिचार के लिए छोड़ सकता है, किसी भी समय झूठी शिक्षाओं के लिए वह चाहे तो; परंतु आप उसे छोड़ने का साहस कैसे कर सकते हैं और इसे बनाए? पुरुष अपने पत्नी को छोड़ कर दूसरा विवाह कर सकता है; परंतु स्त्री नहीं कि अपने पति को छोड़ कर और दूसरा विवाह करें देखिए सारी छायाये और प्रतीक बिल्कुल सधे हुए हैं? मूल सृष्टी को देखिए; उप–उत्पाद को नहीं; कहीं नहीं। कलीसिया नहीं; दुल्हन वचन के द्वारा स्त्री नहीं; हर बार पुरुष इसी कारण यह पुरुष के विरोध में यह करने के लिए कुछ नहीं करता; यह सदा स्त्री है। यह बिल्कुल ठीक बात है।

244 परंतु वह मसीह कि दुल्हन हो सकती है, होने के द्वारा... और स्मरण रखें, वह पुरुष का भाग होने के कारण, वह सकती है, बाईबल ने कहा...

“वह नहीं सकती, जिस पर मैं, स्त्री उपदेश ना दे, या ना कोई आज्ञा चलाये, परंतु शांत रहे। क्योंकि पहले आदम बनाया गया, और फिर हवा और आदम बहकाया ना गया, परंतु उप उत्पाद बहकाया गया। तो भी वह बचा ली जायेगी *यदि* वह पवित्रताई और संयम में बनी रहे, और बच्चे जनने के द्वारा और सब,” क्योंकि तब वह इस पुरुष का भाग हो जाती है। यही जो लाता है...

245 क्यों अब्राहम नहीं... परमेश्वर ने क्यों नहीं साराह को मार डाला ठीक वहां बैठी हुई मुकर रही है, और परमेश्वर के सामने झूठ बोल रही है? वह मरणहार मनुष्य के समान बैठा है, मांस और रोटी खा रहा है दूध पी रहा है, और उसने कहा, “पीछे वहां साराह क्यों हंसी,” वहां उसके पीछे तंबू में, उसने उसे कभी नहीं देखा था, “यह कह रही था, ‘यह बाते कैसे हो सकती है?’”

246 उसने कहा, “मैंने यह कभी नहीं कहा!” ओह, ओह, प्रभु! परमेश्वर को एक सामने यह बताओ कि वह झूठा है? परंतु वह उसे ना ले सका। क्यों? वह अब्राहम का भाग है। आमीन। वह बिना अब्राहम को नुकसान पहुंचाये उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकता था

247 अब आप स्त्रियो देखो आप कहां से हैं। और बाईबल ने कहा, “आप स्त्रियां साराह जैसी थी, वैसी बनो जो स्वयं को लुभावने वस्त्रो से सजाती थी, अपने पति के प्रति ईमानदार और सच्ची थी, उससे इतना प्रेम रखती थी कि उसने उसे ‘प्रभु’ कहती थी,” शासक स्वामित्व।

248 और आप कुछ स्त्रियां, भद्दे कपड़े पहनती हैं, और बाहर जाकर स्वयं को पुरुषों के सामने दिखाती है। यीशु ने कहा, “जो कोई भी स्त्री की ओर बुरी दृष्टी से देखें, वह अपने हृदय में उसके संग व्यभिचार कर चुका।” तो फिर कौन दोषी है, पुरुष या आप? वह नर है, वह इस कार्य को ले सकता है, देखिए; और आप नारी जिसे आप मना कर सकती है।

249 और क्यो आप स्वयं को इस प्रकार रखती है? यह आराम के लिए नहीं है आप जानते हैं यह नहीं हो सकता, जब आप इन छोटे-छोटे कपड़ों के साथ मरणसन्न हो जाते हैं। देखिए, यह आराम के लिए नहीं हो सकता। तो फिर यह क्या है? यह गंदगी के लिए! आप इसे नहीं मानेंगे, परंतु यह बाईबल इस प्रकार कहती है। यह सत्य है। यह गंदी आत्मा आपके अंदर

है। आप गंदे नहीं होना चाहते; परंतु आप आत्मिकता में अनुभव नहीं करते आप गंदे हैं, क्योंकि आप स्वयं को गंदे दिखा रहे हैं।

250 अब, एक मनुष्य उसके बुढे, भद्दे गांठ दार घुटने, और यदि उसके ऊपर कठिनता ढकने को कपड़े हो, इससे कोई अंतर नहीं पड़ेगा, उसकी देह आकर्षित नहीं करती। क्यों? वह मूल सृष्टी में था, चरित्र; होना चाहिये। परंतु आप उप–उत्पाद है जिससे के द्वारा आकर्षित हो।

251 परमेश्वर, अनुग्रह करें! ओह, प्रभु, यह पापमय संसार! जब यह समाप्त हो जायेगा मैं आनंदित होऊंगा।

252 ध्यान दें, वह जब भी चाहे अपनी पत्नी को किसी भी समय छोड़ सकता है, परंतु वह नहीं छोड़ सकती; वह मुझे बना सकता है, वह मुझे मिट्टी में किसी भी समय फेंक सकता है, वह एक इशारा लेता है, परंतु, ओह, भाई, अच्छा हो कि मैं उसे छोड़ने का यत्न कभी ना करूं, मैं समाप्त हो गया।

253 सुलेमान किसी भी स्त्री को ब्याह सकता है जो कुंवारी हो, वह जिस भी स्त्री को चाहे ब्याह सकता है। एक याजक केवल उस स्त्री को ब्याह सकता है, जो कुंवारी हो। सुलेमान...

254 जैसे दाऊद, उसने विवाह किया (उसका क्या नाम था?) अबिगेल वह जो पुरुष "मूर्ख" कहलाया, उसकी एक अच्छी पत्नी थी, और वह मर गया। और अबीगेल ने दाऊद से विवाह किया था; वह एक राजा था, याजक नहीं; देखिये इसलिए उसने—उसने विवाह किया।

255 परंतु एक याजक यह नहीं कर सकता था, क्योंकि उसने छुआ था या एक स्त्री को अपनी पत्नी होने के लिए लिया था, जो कि पहले ही किसी पुरुष की पत्नी थी। इसलिए यह प्रभु यीशु मसीह की कलीसिया को दर्शाता है, दुल्हन को पवित्र होना ही होगा, वचन, कहीं भी किसी वचन में ना चूके, निश्चय ही। क्या आप सही दुल्हन की कल्पना कर सकते हैं, कि एक छाती ना हो और दूसरी, कुछ और खराबी हो आप जानते हैं? वह मसीह कि दुल्हन होने नहीं जा रही है। वह सिद्ध है। वह सब कुछ है वचन, एक वचन भी कहीं नहीं चूकती। नही।

256 ध्यान दे। वह उसे छोड़ सकता है, परंतु वह उसे नहीं छोड़ सकती। उसने यह किया, यह सिद्ध किया, उन दिनों में जब लूथर, वैसली और पेंटीकोस्टल, जब उन्होंने उसका अगला भाग होने से इंकार कर दिया, उसके आत्मिक लैंगिक व्यवहार से गर्भित होने को वचन का अगला भाग

होने को। आप समझे? उसने मना कर दिया। लूथर कलीसिया ने मसीह का इन्कार कर दिया, कि अपने साथ मसीह कि और इच्छा करें; लूथर ने इसका इन्कार किया। और मैं यह कह दू जो कैसे भी वे मुझे कुछ कहने जा रहे हैं; इसलिए यह आज उन में से प्रत्येक के साथ है, वे उस वचन को लेने में असफल रहे, उन्होंने मसीह का इन्कार किया!

257 और कोई स्त्री जो अपने पति को बालक के लिए मना करती है, उसे उसकी पत्नी होने का कोई अधिकार नहीं। आमीन। बाईबल में आप स्मरण रखें, जब राजा ने ऐस्तर से विवाह किया? क्योंकि रानी ने मना किया उसने अपने लिए दूसरी कर ली। और जब... उसने राजा के साथ बाहर आने को मना कर दिया तो क्या हुआ और उसकी बात माने? वही बात उस स्त्री के साथ है जो अपने पति से पत्नी होने का इन्कार करें।

258 और ऐसा ही यह कलीसिया के साथ है जो इस युग में जिसमें हम रह रहे हैं गर्भित होने का इन्कार करें, कि इस युग के लिए बालक उत्पन्न करें। हम लूथरन नहीं है, हम वैसली नहीं है, ना ही हम पेंटीकोस्टल है! हमें इस युग के लिए परमेश्वर के वचन से गर्भित हो कर इस युग के लिए बालक उत्पन्न करने हैं, वंश के बालक। आमीन। मैं आशा करता हूं। आप समझते हैं। गर्भित नहीं हो सके, नहीं, इसलिए उसने क्या किया? उसे तलाक से छोड़ दिया। यह ठीक बात है। परंतु उसका साहस नहीं कि पुरुष को छोड़ दे। उसने स्त्री को छोड़ दिया।

259 वह देह पर अपना वचन प्रगट करता रहा, और उसे प्रमाणित करता रहा कि वह अपने में वैसा ही है। उसके बालक उसके समान दिखाई पड़ने लगे क्योंकि यह पूर्णत: पक रहे हैं, या, वे वचन के बालक हो गए, कलीसिया के बालक नहीं। वचन के बालक! और दुल्हन वचन की अच्छी सुंदर महिला होगी, पवित्र, किसी भी मनुष्य की संस्था से छोड़ी हुई नहीं, कोई भी मानव निर्मित परिकल्पना नहीं। वह शुद्ध पवित्र होगी, वचन की दुल्हन! आमीन और आमीन! मैं आशा करता हूं आप समझ गए बाहर जो संचार व्यवस्था पर है। वह परमेश्वर की गर्भित पुत्री होगी।

260 देखिए स्त्री के लिए क्या ही महान सम्मान है जो हो सकता है? क्या ही महान चीज जो कलीसिया हो सकती है, परंतु आप देखिए कि गंदगी ने उसे कहां जा लिया? तब तुलना करने का यत्न कर रहे हैं कि कलीसिया वहां कलीसिया के साथ है, आप यह नहीं कर सकते। और गली की वैश्या

की तुलना जीवित परमेश्वर की कलीसिया के साथ करना; या स्त्री, सही स्त्री, वैश्या के साथ?

261 इस प्रकार की चीज कैसे हो सकती है? यह परमेश्वर व्यवस्था, भिन्नता की व्यवस्था। हम कैसे जानेंगे, कि दिन के उजियाले का आनंद कैसे लें यदि वहां रात्रि ना थी? हम कैसे सूखे मौसम का आनंद ले, यदि वहां वर्षा ना होती? हम कैसे वास्तविक स्त्री का सम्मान का आनंद लेंगे, यदि वहां गंदगी ना होती?

262 इसे प्रगट करता जा रहा है, अपने वचन को प्रगट कर रहा है, हम में से कोई इस बात का साहस करें कि उसे छोड़ दें और दूसरा विवाह करें।

263 अब निश्चय ही यह स्पष्ट है, क्यों दोनों परीकल्पनाये गलत है। आप *इस* प्रकार से नहीं चला सकते, यह हो गया; आप इसे चलाते हैं *यह* प्रतिज्ञा की साहुल को पीछे कर देता है। *यहां* प्रतिज्ञा है, यह यहां ठीक है। वचन विरोधाभास नहीं। अब इसे निरंतर में चलना है, इस से अधिक नहीं मत्ती 28:19 प्रेरित 2:38 के विरोध में।

264 अब आप में से कुछ स्त्रियां, आप में से कुछ पुरुष, मैं—मैं जानता हूं, आप—आप इस से सहमत नहीं है। क्योंकि आप जानते हैं कि आप इसे छिपा नहीं सकते। आप नहीं सकते।

265 परंतु मैं आपको कुछ दिखाऊं। यदि मत्ती 28:19 ने कहा, “इसलिए तुम जाओ और सारे जगत में सिखाओ, उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बना दो,” और वे पलटे, हर किसी का जिसका कभी बपतिस्मा हुआ, उसको विरोध में यीशु मसीह के नाम में हुआ, यहां तक कि सारे बाईबल के युग में से होते हुए और तीन सौ वर्षों के पश्चात, बाईबल के युग के पश्चात से नीसिया सभा तक, इसके बदले में उन्होंने धर्म सिद्धांत अपना लिए। क्या अंतर है, यदि यह प्रगट ना हो?

266 क्या आप जानते हैं कि सारी पुस्तक, सारी बाईबल एक प्रकाशन है? इस प्रकार से आप इसके और उसके बीच का सत्य जान जाते हैं, यह क्योंकि, यह एक प्रकाशन है। और प्रकाशन ठीक वचन के साथ बैठना चाहिये, वचन के विरोध में नहीं। आप कहते हैं कि, “यह मुझ पर प्रगट हुआ।” तब यदि यह वचन के विरोध में है, तो यह कभी भी परमेश्वर के ओर से नहीं आया। यह ठीक बात है।

267 अब यदि आप... मत्ती 16:18 लेना चाहते हैं। यीशु ने स्वयं कहा कि समस्त कलीसिया, उसकी कलीसिया, उसी के प्रकाशन पर बनेगी जो कि वचन है। "मैं तुझ से कहता हूं कि तू पतरस है... मांस और लहू ने यह तुझ पर प्रगट नहीं किया, परंतु मेरा पिता जो कि स्वर्ग में है, तुझ पर प्रगट किया है और इस चट्टान पर... "

268 अब मैं जानता हूं हमारे कैथोलिक मित्र लोग वहां है, आप कहते हैं, "यह पतरस पर बना है, पतरस प्रेरित, *अमुक–अमुक*, प्रेरिताई के सहमति, अनुक्रमांक में।"

प्रोटेस्टेंट ने कहा, "यह यीशु मसीह के ऊपर बना है।"

269 भिन्न होने के लिए नहीं, परंतु देखिए कि उसने क्या कहा! उसने कहा, "मांस और लहू ने यह तुझ पर प्रगट नहीं किया, परंतु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है तुझ पर प्रगट किया है। और इस चट्टान पर," (आत्मिक प्रकाशन पर कि वचन क्या है) "मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा; और अधोलोक के फाटक इसे कभी नहीं हिला सकेंगे।" उसकी पत्नी दूसरे पुरुषों की ओर आकर्षित नहीं होगी। "मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इसे कभी नहीं हिला सकेंगे।"

270 और हाबिल और कैन अदन वाटिका में कैन ने अपनी धारणा बना ली, उसने कहा, "अब, देखो, परमेश्वर एक अच्छा परमेश्वर है वह कुल मिला कर सारी प्रकृति, इसलिए सेम और आलू, मैं फूलो को लूंगा, मैं उसके लिए वास्तविक सुंदर वेदी बनाऊंगा।" यही कलीसिया है। उसने घुटने टिकाये। उसने परमेश्वर पर विश्वास किया, उसने परमेश्वर की आराधना की अपने हाथों को रखा और बलिदान चढ़ाया। उसने सारी चीजें धार्मिकता में की, जो हाबिल ने किया।

271 हाबिल ने उसी प्रकार की वेदी बनाई, परंतु जब हाबिल अपना लाया, वह मेमना लाया। अब कैन ने सोचा कि पाप के लिए विरोधी दवा बनाई कि उसके पिता और माता ने फल ही खाया होगा, जैसा कि उन्हें वाटिका में सिखाया गया था। परंतु हाबिल, दिव्य प्रकाशन के द्वारा यह जान गया कि यह लहू था जिसने किया, दिव्य प्रकाशन के द्वारा। और बाईबल ने कहा, इब्रानियों 12 वां अध्याय 11 वां अध्याय कि, "हाबिल विश्वास के द्वारा" (प्रकाशन से) "परमेश्वर को कैन से उत्तम बलिदान चढाया जिसके द्वारा परमेश्वर ने गवाही दी कि वह धार्मिक है।" क्या यह ठीक बात है? [सभा

"आमीन" कहती है—सम्पा] आमीन! भाई, बहनो, यह इतना स्पष्ट है, जितना हो सकता है, मेरे लिए। यही सारी बात है।

272 अब *विवाह और तलाक* पर, देखिए, इसे प्रगट होना है जब तक यह प्रगट ना हो, आप इसे नहीं जानते। परंतु उसने इन अंत के दिनों में प्रतिज्ञा दी है, इस युग में कि बाईबल के हर भेद प्रगट हो जायेंगे। कितने यह जानते हैं? प्रकाशितवाक्य, दसवां अध्याय! यीशु ने इसकी प्रतिज्ञा दी है कि यह सारे छुपे हुए भेद *विवाह और तलाक* पर—पर और दूसरे सारे भेद जो रहे हैं, इस अंत के समय में प्रगट हो जायेंगे। अब आप स्मरण रखें आवाज ने कहा, "ट्यूसान जाओ।" आकाश की वह रहस्यमयी ज्योति को स्मरण करें? सातवा दूत वहां खड़ा हुआ है? वापस आओ, और सात मोहरो का खुलना। ध्यान दें क्या घटित हुआ। यह सत्य है।

273 अब थोड़ा सा आगे। परंतु तुम अब सुनो! मैं जानता हूं आपका समय है कि आप जाकर खाना खाए, परंतु मैं बस अच्छा खाना रहा हूं [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

274 ध्यान दें, अब, स्त्री ने अपना स्थान पा लिया, और वह एक रत्माण है। सुलेमान, इस पुरुष के पास दस हजार पत्नियां थी... हजारों पत्नियां थी, बल्की, उसने कहा, "एक पुरुष जिसने एक पत्नी पाई, उसने एक अच्छी चीज पाई।" उसने कहा, "एक भली स्त्री उसके मुकुट में रत्न है," यह एक सम्मान है। "परंतु अधर्मी उसके लहू में पानी है," यह उसका जीवन है। उसने कहा, "हजारों में एक धर्मी हो सकता है," यह सुलेमान ने कहा है, "परंतु," कहा, "आप हजारों में एक धर्मी स्त्री नहीं पायेगे," यह सुलेमान ने कहा, देखिए। अब आप इस पर ध्यान दें, कि यह कैसी है।

275 परंतु आप एक महिला को देखते हैं, आप एक रत्न है यदि आप रत्न होना चाहती है परंतु इच्छा आपकी होनी चाहिये और आप देखिए क्यों *विवाह और तलाक* था, कि यीशु ने पीछे की ओर संकेत किया, यही था क्योंकि आपकी जाति इन सारे पापों का कारण थी। यही कारण है बहु विवाह और तलाक और चीजें मिलाई गयी। आरंभ में यह ऐसा कभी नहीं था, और यह नहीं होगा उस आने वाले संसार में।

276 याकूब को देखिए, जिसमें से प्राचीन निकले। उसके पास कम से कम दर्जन भर पत्नियां थी। उसने दो बहनों से विवाह किया इसके अलावा उसके पास रखैल थी, साधारण रिवाज में स्त्रियां जो उसके संग रही।

और वे प्राचीन पूर्वज उन रखेलियों से जन्मे। क्या यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] देखिए, वचन को ठीक निरंतरता में चलना चाहिये।

277 ओह, इस पर मेरे पास पन्ने भरे पड़े हैं। यदि किसी क्रूरजीमेन ने मुझसे कभी प्रश्न किया और हम एक साथ मिलेंगे, हम इस पर बात कर सकते हैं। लेकिन निश्चय ही, यदि उसके अंदर कोई आत्मिकता है वह यहां देख सकता है कि यह सत्य है। इस पर कोई प्रश्न नहीं है।

278 एक भली स्त्री एक अच्छी चीज है, मैं यह जानता हूं, मैं यह एक वास्तविक स्त्री के द्वारा जानता हूं। मैं वास्तविक स्त्री से मिला हूं, जो कि असली है, ऐसी ही वास्तविक जैसे कोई पुरुष जो कभी चला।

279 वह एक उप–उत्पाद और उसका एक टुकड़ा है, एक और गिरावट में उसने उसकी सुनी। वह बस... स्त्री उसका भाग है, परंतु, यह उस पर है, वह बनायी गयी, ताकि अश्लील हो सके और उसे अधिकार दिया गया है कि मना करें या स्वीकार करें। आरंभ में यह मूल प्रकृति के विरुद्ध है, देखिए, परंतु आप यहीं पर है।

280 अब यह 12 बज रहे हैं, इसलिए मैं कुछ यहां कुछ मिनटों के लिए छोड़ जाऊंगा। मैं आप से कुछ पूछना चाहता हूं।

281 अब, स्मरण रखें, मैं यह अब केवल अपने झुंड से कहता हूं। और बाहर संचार पर, मैं यह केवल अपने अनुयायों से कहता हूं। यह संदेश केवल उन्हीं के लिए है, और जो मैं यहां कहने जा रहा हूं।

282 कोई भी सेवक, वह जो उसका है जी हां, वह अपने झुंड का चरवाह है, जो भी वह चाहता है करने दे। यह उस पर और परमेश्वर पर है। कोई याजक, कोई प्रचारक, मेरे भाई यह आप पर निर्भर करता है।

283 मैं केवल यहां जेफरसनविले में बोल रहा हूं, केवल यही स्थान जहां मैं इस पर बोलूंगा, क्योंकि यह मेरा अपना झुंड है। यह झुंड जो मुझे पवित्र आत्मा ने दिया है कि समझू और इसकी देखभाल करूं और वह मुझे इसके लिए उत्तरदायी ठहरायेगा। और मेरे यह लोग समस्त राष्ट्र से बदले हैं, जिनकी अगुवाई मैंने मसीह तक की। और, छोटे बालकों, मैं यहां आपकी सहायता के लिए हूं, और मैं आपका मित्र हूं। आप सोच सकते हैं मैं आपके विरोध में बोलता हूं, मैं यह देखिये, आपके भले के लिए कह रहा हूं। मैं

आपसे प्रेम करता हूं। यदि यह ऐसा नहीं है तो परमेश्वर मेरा न्यायी है। आप जानते हैं, मैं आपसे प्रेम करता हूं।

284 यह एक अजीब और कठोर बात है, मुझे नहीं मालूम कि कैसे सामने लाऊं। मैं क्या करूंगा, जब भक्त मंडली में यहां पुरुष और स्त्रियां बैठी हुई है, उनमें से कुछ ने दो या तीन बार विवाह किया है? अच्छे पुरुष और अच्छी स्त्रियां, सब मिले–जुले! इसने क्या किया? झूठी शिक्षा, ठीक बात है, प्रभु पर निर्भर नहीं कर रहे हैं।

285 "जिन्हे परमेश्वर ने जोडा है, कोई मनुष्य अलग ना करें।" ना कि जिसे मनुष्य ने जोड़ा है; जिसे "परमेश्वर" ने साथ जोड़ा है! जब आपको परमेश्वर से सीधा प्रकाशन मिला, वह आपकी पत्नी है, और वही चीज जो आपकी बाकी सारे जीवन भर है। समझे? परंतु जो मनुष्य जोड़ता है, कोई भी अलग कर सकता है। परंतु जिन्हें परमेश्वर ने साथ जोड़ा है, अच्छा हो कि मनुष्य उसे छूने का यत्न ना करें। "जो भी परमेश्वर ने एक साथ जोड़ा है," उसने कहा, "कोई मनुष्य अलग ना करें।" ना कि जिसे किसी आधे पीये हुए मैजिस्ट्रेट ने, या किसी ने एक साथ कर दिया या कोई पिछड़ा प्रचारक पुस्तक में ढेर, सारे मतसारों के साथ, जो उन्हें संसार में कुछ भी करने देगा और परमेश्वर का वचन ठीक वहां पर हो। समझे? मैं उसकी बात कर रहा हूं जिसे परमेश्वर ने साथ जोड़ा है।

286 अब मैं इसे आप से कहने जा रहा हूं। जो मैं आपसे करता हूं मैं उसमें सतर्क हूं। मेरा अर्थ आपके साथ कठोर होने का नहीं है। मेरा अर्थ कठोर होने से नहीं है, मेरे पास्टर भाइयों। मेरा यह अर्थ नहीं है। परंतु मैं उत्तरदायी हूं, यह अनुभव करते हुए कि यह मेरे हाथों में दिया गया है। और यदि... मैं इसे रोक नहीं सकता, मैं नहीं जानता कि इसे कैसे बाहर लाऊं, और मैं यह जानता हूं कि यह टेप। ओह, प्रभु मैं तैयार हो जाऊंगा, कार्य स्थल खुला हुआ है, क्योंकि यहां यह आता है। समझे?

287 जैसे कि यह *सर्प वंश* पर था, परंतु यह पूरी रीती से सिद्ध हुआ। मेरे पास यहां कागज है, बाहर कागज पर, जहां स्त्री ठीक अब... यहां तक कि इस महान उसमें... कुछ बड़े–बड़े धर्म प्रदेशों के पास इसका मूल चित्र है, एक सांप स्त्री के पैरों पर रेंग रहा है और कैसे उसके चारो ओर है; उसके पास सब प्रकार की संवेदनाएं है और चीजें, कुछ जो पुरुष उसके साथ कभी नहीं छुयेगा, इस लिपटे हुए सांप के जो उसके चारों ओर है, और आदि–

आदि। यह बिल्कुल सत्य है। और यह बुरे से और बुरा होता जा रहा है। सर्प, जो कि वह नहीं था, वह उसके साथ शारिरिक संबंध नहीं कर सका जब वह एक सांप था, परंतु स्मरण रखें...

288 उस दिन मेरे साथ बहस हो गयी... बहस नहीं, बस एसेंबली ऑफ गॉड का एक सेवक और साथी, बोला... कि "इसमें आप गलत है।"

मैंने कहा, "भाई, मैं हो सकता हूं। मैं चाहता हूं कि आप मुझे बताये।"

289 तब उसने कहा, आगे बढ़ कर इस पर बातें करने लगा। पहली बात आप जानते हैं, वह स्वयं में ही भटक गया। और एक बात उसने कहीं, उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, वह जाति कहां है? परमेश्वर ने कहा 'अपने ही प्रकार का।' अब वह जाति कहां पर है, अपने आपने कहा, यह मनुष्य और पशु के बीच थी, विज्ञान इसे खोज ना सका? वह कहां पर है? " बोला, "क्या वह पृथ्वी पर है? क्या वह एक चिम्पाजी था? "

290 "नहीं, क्योंकि चिम्पाजी का लहू स्त्री से मिल नहीं सकता, ना हीं कोई भी दूसरा जानवर इसके साथ नहीं मिलेगा। नहीं, यह नहीं होगा, ना ही मनुष्य का शुक्राणु मादा के साथ—साथ मिलेगा। यह नहीं चलेगा।"

291 "तो फिर वह विशेष जानवर कहां पर है? अब परमेश्वर ने कहा, 'हर चीज अपने ही प्रकार का जन्माये।'"

292 मैंने थोड़ी देर प्रतीक्षा की। और पवित्र आत्मा की मिठास ने कहा, "इसे बताओ, 'यह यही है।'"

अब, पहले मैंने कहा, "भाई हो सकता है, वह अब अलग हो गया हो।"

उसने कहा, "परंतु, भाई ब्रन्हम, हम वचन के विषय में बातें कर रहे हैं, क्या हम नहीं कर रहे हैं? "

293 मैंने कहा, "जी हां श्रीमान।" और मैंने कहा, "वे निसन्देह दूसरी चीजों का दावा करते हैं, जैसे डायनासोर और—और मैमथ, और आदि–आदि मैमथ, मैमथ, बल्की वे अलग हो गए, आदि–आदि।" मैंने कहा, "हो सकता है, वह रहा हो।"

294 उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, हम वचन के प्रमाण के विषय में बातें कर रहे हैं। यदि पाप यहां पर है, तो फिर, मूल पाप तो उसे भी यहां होना चाहिये।"

295 और मैंने कहा, "प्रभु यीशु, आपने कहा, 'मत सोचो कि तुम्हें क्या कहना है जब तुम मनुष्य के सामने आओ, क्योंकि यह तुम्हें उसी घड़ी बता दिया जायेगा।' प्रभु मैं क्या कहूंगा? " उसने कहा, "उसे बताओ, 'यह यहीं पर है।'" बिलकुल वैसे ही जैसे मैं मंच पर दर्शन देखता हूं।

296 मैंने कहा, "यह यही है, " नहीं जानता कि कहां।

उसने कहा, "कहां? "

और इसके पहले कि मैं सोच भी सकु। उसने कहा, "यह सर्प है।"

297 बिल्कुल यही जो था, क्योंकि वह अब पशु नहीं रहा। वह श्रापित हुआ और अपने बाकी जीवन, अपने पेट के बल हो गया। वह यहां है। क्या यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] और अब भी उसी कार्य पर जो उसने किया, अब भी उसी वही पाप स्त्री के चारों ओर कार्य कर रहा है, जैसे कि नर वासना के समान। यही जहां स्त्री का अपना चिह्ना वाली दर्शाए है, और आदि–आदि, जब उसकी संवेदनाएं उसके आपे से बाहर है, जो कोई मनुष्य कभी कर सका।

298 मैं यहां पर रुकूंगा क्योंकि हम मिली जुली भीड़ में है। मैं कुछ मनुष्यो को लूंगा, मैं... हम इस विषय और बातें करेंगे। सारे कागज और चीजें ठीक यहां पर रखी है, अब भी मेरे हाथों में है, और मैं इस प्रात: आप तक पहुंचाने जा रहा था। मैं इस पर पूरा दिन लेने जा रहा था, परंतु मैं यह कहते हुए बंद करूंगा।

299 यह केवल मेरी कलीसिया के लिए है। मेरी कलीसिया नहीं... वह छोटा झुंड जो मुझ पर विश्वास करता और पीछे चलता है, यह उनके लिए है

300 उस दिन, यह जानते हुए कि जब मैं आपको कुछ बताता हूं यह **यहोवा यों कहता है** में आना चाहिये, तब मेरे पास वे वचन थे जैसा कि उसने मुझ पर प्रगट किया। परंतु "प्रभु परमेश्वर, मैं क्या कह सकता हूं, इस भक्त मंडली से? मेरे पास अलगाव होंगे। पुरुष उस बालकनी में बैठे होंगे और बाहर मैदान में और हर जगह, 'क्या मैं स्त्री को छोड़ दूं? ' स्त्रियां 'क्या मैं अपना पति छोड़ दूं? ' 'मैं क्या करूंगी? '" मैंने कहा, "प्रभु मैं क्या कर सकता हूं? "

301 किसी चीज ने मुझ से कहा, "वहां सामने उस पहाड़ पर जा, और मैं तुझ से बात करूंगा।"

302 और जबकि मैं पहाड़ में था, यह ना जानते हुए कि नीचे ट्यूसान में वे इसे देख रहे थे। परंतु यहां तक शिक्षाओ ने बालकों को बुलाया... मेरी छोटी लड़की, और वे कक्षा में से और कहा, "सामने उस पहाड़ पर देखो! वहां एक अग्निमय दिखने वाला अम्बर बादल हवा में ऊपर और नीचे जा रहा है, ऊपर हवा में जाता है और वापस नीचे आता है।" परमेश्वर की महिमा हो।

303 श्रीमती इवान, क्या आप यहां है? रोनी, तुम यहां हो? मैं वापस पेट्रोल पंप पर आया, यह युवा लड़का वहां पेट्रोल पंप पर था, ईवान पेट्रोल पंप पर वहां है। और इसके पहले कि मैं जान पाता था कि लड़का क्या कहने जा रहा है, उससे पहले ही मुझे ले लिया उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, आप वहां सामने उस पहाड़ पर थे, क्या आप नहीं थे? "

304 मैंने कहा, "रोनी तुम्हारा क्या मतलब है? नहीं, " देखिए देखता हूं वह क्या करने जा रहा था। बहुत सी बार चीजें घटित होती है, मैं नहीं, आप लोगों से यह नहीं कहते। यह हो जाता... इसकी बात यह है आप बहुत कुछ होते देखते हैं, यह आपके लिए साधारण सा हो जाता है। समझे? मैं बस लोगों को नहीं बताता। मैंने कहा, "रोनी, तुम क्या थे... "

305 उसने कहा, "मैं आपको दिखा सकता हूं कि आप कहां पर थे।" कहा, "मैंने मामा को बुलाया और हम यहां खड़े हुए और उस बादल को सामने देखा ऊपर नीचे हो रहा था। मैंने कहा, 'यह तो भाई ब्रन्हम को वहां कहीं पर बैठा हुआ होना चाहिये। यह तो परमेश्वर उनसे बातें कर रहा है।' "

306 और सारे नगर के लोगों ने यह देखा। उस साफ चमकदार दिन में कहीं कोई बादल नहीं, इस बड़े अम्बर बादल के साथ वहां पर; नीचे कीप के सामान आ रहा है, और वापस जा रहा है, और फ़ैल जाता है।

307 मित्रों, और फिर मैं बंद कर रहा हूं, आप इससे जा सकते हैं। ये जब यह मुझ पर प्रगट किया गया था, अब मैं आपको जो बताने जा रहा हूं, इसलिए इस पर ना चूके।

308 अब मैं केवल अपने अनुयायीयों से बोल रहा हूं, जो मेरे पीछे चल रहे हैं, और केवल इस संदेश के बाहर के नहीं। परमेश्वर के सामने मेरी गवाही। केवल इस झुण्ड के लिए!

309 अब हमें इस विवाद में पाया धर्म विज्ञान के गलत अनुवाद के कारण। क्या यह ठीक बात है? इसी कारण तुम स्त्रियों ने दूसरी बार विवाह किया,

और तुम पुरुषो धर्म विज्ञान के गलत अनुवाद के कारण। अब मैं आपको कुछ दिखाना चाहता हूं जो उसने मुझे बताई।

310 और यदि परमेश्वर, हमारा सृष्टिकर्ता, इस प्रश्न पर प्रश्न करें जब वह यहां पृथ्वी पर था, यीशु मसीह; और जब उसका छुड़ाने वाला भविष्यव्यक्ता सामने आया वह मूसा मिस्त्र में कि बालकों को मिस्त्र से—से बाहर लाये और उन्हें प्रतिज्ञा के देश में पहुंचा दें; और यीशु ने कहा यहां जो मूसा ने लोगों की इस दशा में देखा और उन्हें लिखित तलाक देने की अनुमति दी क्योंकि स्थिति वह जो ऐसी थी। मूसा ने ऐसा पाया, जैसा, "उसे होने दो... " परमेश्वर ने मूसा को अनुमति दी, वह भविष्यव्यक्ता जो लोगों के पास भेजा गया कि उन्हें इस लिखित तलाक की अनुमति दे।

311 पहला कुरिन्थियों का, सातवां अध्याय 12 और 15 वा पद नए नियम में, भविष्यव्यक्ता, पौलुस, जिसका सामना कलीसिया में ऐसी ही चीज से हुआ, और यह बोला, "यह मैं हूं, ना कि प्रभु।" यह ठीक बात है? तलाक कि दशा के कारण।

312 "आरंभ से यह ऐसा नहीं था।" परंतु मूसा ने इसकी अनुमति दी, और परमेश्वर ने इसे धार्मिकता की मान्यता दी। और पौलुस के पास भी अधिकार था, जब उसने कलीसिया को इस दशा में पाया।

313 अब आप विश्वास करते हैं कि यह सत्य है और विश्वास करते हैं कि यह परमेश्वर की ओर से आया! और उसके बादल के द्वारा प्रमाणित किया और उसका संदेश जो मुझे यहां तक लेकर आया, क्या परमेश्वर को मुझे उस पहाड़ पर यही बात करने की अनुमति नहीं देनी चाहिये, आपको ऐसे ही चलने दू जिस प्रकार से आप हैं, और इसे और ना करें! अपनी–अपनी पत्नियों के साथ जाओ और शांति से रहो, क्योंकि देर हो चुकी है प्रभु का आगमन निकट है हमारे पास समय नहीं कि इन चीजों का खुलासा करें, दुबारा से ऐसा करने का साहस ना करें! मैं केवल अपनी भक्त मंडली से कह रहा हूं। परंतु यदि आप विवाहित है... और परमेश्वर ने मुझे इसका गवाह बनाया है, उस पहाड़ पर जो कि मैं यह कह सका, एक अलौकिक प्रकाशन, सात मोहरो के खुलने के कारण और परमेश्वर के वचन में यह प्रश्न है। "उन्हें ऐसे ही बने दो जैसे वे हैं, और अधिक पाप ना करें!"

314 "आरंभ से ऐसा नहीं था।" यह ठीक साथ है, यह ऐसा नहीं था, और यह अंत में भी ऐसा नहीं होगा। परंतु आधुनिक स्थिति में, परमेश्वर के

दास के सम्मान... मैं स्वयं को उसका भविष्यव्यक्ता नहीं कहूंगा; परंतु मैं विश्वास करता हूं कि हो सकता है, यदि मैं इसके लिए नहीं भेजा गया होता तो मैं उसके लिए भूमिका तैयार कर रहा हूं, जब वह आता है। इसलिए इन आधुनिक परिस्थितियों में, मैं आपको आज्ञा देता हूं कि अपनी पत्नी के संग घर जाये, यदि आप उसके साथ आनंदित है, तो उसके संग रहे, परमेश्वर की चेतावनी में अपने बाल बच्चों का पालन करें। परंतु परमेश्वर आप पर दया करें यदि आप ये फिर कभी करें! आप अपने बालकों को सिखाये कि ऐसे कार्य को कभी ना करें, उन्हें परमेश्वर की चेतावनी में पाले। और अब आप जैसे है वैसे ही रहे, आईये अब चले, इस देर सांझ की घड़ी जिसमें हम रह रहे हैं और "मसीह में उस बुलाहट के लिए यत्न करते रहे," जहां सारी चीजें संभव होगी।

315 जब तक आज रात्रि मैं आपको फिर ना देखू, प्रभु परमेश्वर आपको आशीष दे, जबकि हम प्रार्थना करते हैं।

316 प्रभु परमेश्वर, हम आपको धन्यवाद देते हैं। हम आपको महिमा देते है कि तू वही महान यहोवा जिसने मूसा की सही। मूसा, वह दास और वह अपने लोगों से क्या कहें? और, परमेश्वर, आपने उसे कष्ट दिया कि लिखित में तलाक दे। पौलुस, वह महान प्रेरित जो कि नए नियम का लेखक जैसे मूसा पुराने का था। मूसा ने व्यवस्था लिखी और एक व्यवस्था का विधान। बहुत से भविष्यव्यक्ता, उनके वचन इसमें डाले गए, परंतु मूसा ने व्यवस्था लिखी। और आपने उसे लिखने दिया कि उन्हें लिखित तलाक के लिए लिखे, उनके ह्रदय की कठोरता के कारण।

317 वह महान संत पौलुस नये नियम के लेखक होने के नाते वह भी एक दृढ़ कथन दे सका कि, "मैं इन परिस्थितियों में बोलता हूं मैं, ना कि प्रभु।"

318 ऐसे ही आज है, प्रभु परमेश्वर, संसार के अंत में जैसे कि हम यहां परमेश्वर की दया में; यह जानते हुए कि जल्द ही हमें उसकी उपस्थिति में उत्तर देना है। और कि आपने बहुत कुछ किया, प्रभु, इन लोगों की दृष्टि में मैं निश्चित हूं, ये इस पर निर्भर करेंगे जैसे कि यह आपकी ओर से है। और आज इस बात के गवाह, बहुत से लोग जो यहां बैठे हैं यहां तक कि जिन्होंने पहाड़ पर वह चिन्ह देखा, जहां कि प्रभु का स्वर्ग दूत चक्रवात में आया, जहां सात स्वर्ग दूतो में आया, जहां उन सात भेदों को खोला

गया; और वही स्वर्ग दूत उसी दिशा उसी पहाड़ पर, वह दिन कि ये प्रगट किया गया!

319 परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि ये लोग धन्यवाद करते हुए घर जायेंगे कि परमेश्वर ने इनके लिए यह दिया प्रदान की है। प्रभु, मैं तो केवल बोला हूं उस अनुमति से। और मैंने केवल अनुमति से बोला है, प्रभु। और होने दें कि लोग इतने धन्यवादित रहे कि वे इस पाप को फिर कभी दुबारा करने का कभी यत्न ना करें! परंतु आपको पूरे ह्रदय से प्रेम करें। प्रभु, इन परिवारों को आनंदित कर दे, और ये बढे और अपने बालकों का पालन परमेश्वर की चेतावनी में करें।

320 क्योंकि, मेरा संदेश जो मेरे ह्रदय पर था सुना दिया है, प्रभु। मैंने वह सब कर दिया, जो मैं जानता था कि मैं कैसे करूं। और शैतान कई सप्ताहों से मुझ से लड़ा और वह बिना सोये, वह समय। परन्तु अब मैं आज्ञा देता हूं, इन लोगों को कि वे इसका अध्ययन करें और जाकर आपके लिए जिए। प्रभु, इसे प्रदान करें। अब मैं बरी हूं। ये आपके हाथों में है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इन्हें आशीषित करेंगे।

321 इन रूमालो को आशीषित करें, प्रभु जो यहां पर रखे हुए हैं, उन बीमारों और दुखियों के लिए। होने पाए यह रात्रि एक महान सामर्थी रात्रियां हो कि सारे लोग चंगे हो जाये। प्रभु, इसे प्रदान करें। हमें संग–संग आशीष दे।

322 हम शांति, आनंद और खुशी के साथ जाये क्योंकि सृष्टि के परमेश्वर ने हमें दिखाया “आरंभ से,” और हम तक पहुंचाया, हमारे विवाद में जिसमें हम थे फिर से उसका अनुग्रह इन अंत के दिनों में। ओह महान और अनंत परमेश्वर, इसके लिए हम कैसे आपका धन्यवाद करें! और हमारे ह्रदय इतने प्रसन्न हो जाये कि हमारे अंदर फिर से पाप करने की कोई इच्छा नहीं होगी, आपके विरोध में। यीशु के नाम में। आमीन।

मैं उससे प्रेम करता हूं (आपको क्यों नहीं उससे प्रेम
  करना चाहिये?) मैं उस से प्रेम करता हूं,
क्योंकि पहले उसने मुझ प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
उस कलवरी पर...

323 मैं इसे अब कहता हूं ताकि सेवक समझ जायेंगे। ये उनके लिए है जो केवल इस संदेश का अनुकरण करते हैं!

324 ओह, क्या आप प्रसन्न है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] मैंने आपको सत्य बताया है, **यहोवा यो कहता है,** ये सारा का सारा! ["आमीन!"]

325 अब हम खड़े हो जाये और अपने हाथ उठाये जैसे कि हम फिर गाते हैं, "मैं उससे प्रेम करता हूं।" मैं उसके अनुग्रह के लिए उससे प्रेम करता हूं। मैं उसकी दया के लिए उससे प्रेम करता हूं। मैं उसके वचन के लिए उससे प्रेम करता हूं। "और प्रभु का वचन उसके भविष्यव्यक्ताओं के पास आता है!"

मैं...

326 भाई, आईये। आगे बढे।

विवाह और तलाक HIN65-0221M

(Marriage And Divorce)

यह सन्देश हमारे प्यारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 21 फरवरी, 1965 को पार्कव्यू जुनियर हाई स्कूल पर, जेफ़रसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए. में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकोडिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकोडिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2020 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org